www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 26 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
17 अप्रैल 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:41
सूर्यास्त: 06:31
अधिकतम: 40°00
न्यूनतम: 26°00

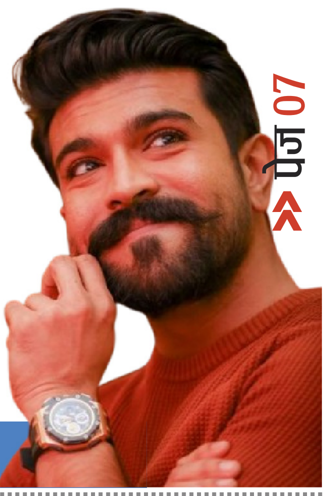
पेज 07

विशेष समाचार | देश की राजनीति एक बड़े ... >>पेज 04 | 500 झुग्गियों में लगी भीषण... >>पेज 06 | राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' की ...

अमित शाह का तंज- फिक्र न करें, आप तो 2027 में भी नहीं जीतेंगे

आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई : अखिलेश यादव

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिल पेश किए गए। इसे लेकर सपा सांसदों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी बहस हुई। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा- सरकार संविधान के विरोध में काम कर रही है। जब तक मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा। तब इसका मतलब नहीं है। इस पर शाह ने जवाब दिया- मुस्लिमों को धर्म के आधार पर आरक्षण गैर-संवैधानिक है, इसका सवाल ही पैदा नहीं होता। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- पूरा देश आधी आबादी के लिए आरक्षण चाहता है। मैं जानना चाहता हूं कि मुस्लिम महिलाओं के लिए क्या है? ये सशक्तिकरण नहीं, तुष्टिकरण के लिए है। इस पर शाह ने जवाब दिया कि सपा पूरी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें कहां आपत्ति है। अमित शाह ने तंज कसते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल 2029 में लागू होगा। अखिलेश को डरने की जरूरत नहीं है। वैसे 2027 में भी वो जीत कर आने वाले नहीं हैं। सीटों के बढ़ने से प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। पहले हर जनगणना के बाद परिसीमन अनिवार्य था। अब संसद परिस्थितियों के अनुसार निर्णय ले सकता है। यह विधेयक संसद को अधिकार भी देता है कि वह उपयुक्त जनगणना के रिकॉर्ड के आधार पर इसे लागू कर सकता है।

> इधर, संसद के बाहर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा- भाजपा आरक्षण के नाम पर समाज में जहर घोलना चाहती है। वह लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही थोपना चाहती है। हम इसका विरोध करते हैं, क्योंकि परिसीमन के नाम पर जिस तरह जहर घोला गया है। जिस समय इसे लाया गया है, वह सवाल खड़े करता है। दरअसल, संशोधन बिल में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव है। साथ ही लोकसभा सांसदों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने की बात कही गई है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

अखिलेश ने स्मृति ईरानी पर तंज कसा

अखिलेश यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर भी तंज कसा। कहा- अगर सीटें आरक्षित कर दी जाएंगी, तो महिलाओं के बीच ही प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई। इसके कुछ देर बाद स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया X पर लिखा- सुना है आज अखिलेश जी ने संसद में मुझे याद किया। अच्छा है, जिनको राजनीति धरोहर में मिली, वे उनको भी याद करते हैं जो अपने दम पर आसमान में सुराख करते हैं। कामकाजी औरत पर वे टिप्पणी करते हैं जिन्होंने जिंदगी में कभी कोई नौकरी नहीं की।

अखिलेश यादव का स्मृति पर तंज

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा OBC की 33 प्रतिशत महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के समय भाजपा ने ऐसी रणनीति बनाई है जिससे फायदा केवल उन्हें मिले। उन्होंने मांग की कि परिसीमन से पहले जनगणना हो, ताकि सही आंकड़ों के आधार पर सीमाएं तय की जा सकें।

अयोध्या सांसद बोले- सरकार की नीयत खराब

फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद पासी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 36 अंग्रेजों को मार गिराया, लेकिन इस सरकार ने कुछ काम नहीं किया। वीरांगना झलकारी बाई कोरी 1857 की लड़ाई अगली कतार में लड़ीं, लेकिन इस सरकार में कुछ नहीं किया। हमारे नेता मुलायम सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन, जब वे सीएम थे, तो पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था बनाई। मेरी पत्नी सोना अयोध्या जिला पंचायत की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। आज भी अयोध्या की अध्यक्ष महिला है। सपा की मांग जातीय जनगणना की है। कालम नंबर- 12 पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं, एससी, एसटी और अन्य जाति लिखा है। पिछड़ी जाति कहां चली गई। जाति जनगणना में पिछड़े पावे 100 में 60, पिछड़े और मुस्लिम को इग्नोर करना चाहती है।

अखिलेश के 'सास-बहू' तंज पर स्मृति ईरानी ने किया पलटवार

संसद में बोलने के दौरान अखिलेश यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर तंज कसा। कहा- अगर सीटें आरक्षित कर दी जाएंगी, तो महिलाओं के बीच ही प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई। अखिलेश यादव के इस बयान पर स्मृति ईरानी ने पलटवार किया। उन्होंने सोशल मीडिया X पर लिखा- सुना है आज अखिलेश जी ने संसद में मुझे याद किया। अच्छा है, जिनको राजनीति धरोहर में मिली, वे उनको भी याद करते हैं। जो अपने दम पर आसमान में सुराख करते हैं। कामकाजी औरत पर वे टिप्पणी करते हैं जिन्होंने जिंदगी में कभी कोई नौकरी नहीं की। सीरियल से हटाकर संसद पर ध्यान लगाएं, महिलाओं के संबल हेतु अहम बिल पास कराएं।

रालोद सांसद बोले- यूपी में परिसीमन बहुत जरूरी है

बागपत से आरएलडी सांसद राजकुमार सांगवान ने कहा कि महिला आरक्षण संशोधन बिल का समर्थन करता हूं। महिलाओं को आरक्षण देने में जनगणना और परिसीमन के जाल में उलझा देता था। सांगवान ने कहा कि यूपी जैसे राज्य में परिसीमन और भी जरूरी है। जिससे कोई वर्ग खुद को उपेक्षित महसूस न करे।

'ईरान ने डील नहीं मानी तो फिर जंग होगी'

रक्षा मंत्री ने कहा- हमारी सेना तैयार, राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश का इंतजार कर रहे

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

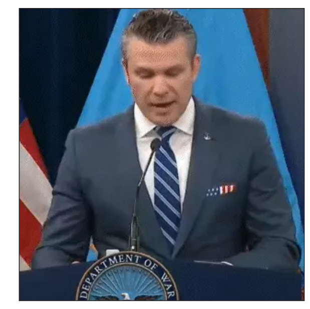

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने पीस डील नहीं मानी, तो फिर से जंग शुरू हो सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान के पास समझौता करने का मौका है, लेकिन अगर उसने इसे ठुकराया तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी फोर्सेस पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी समय कॉम्बैट ऑपरेशन शुरू कर सकती हैं। हेगसेथ ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश का इंतजार कर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फ्रांस के राष्ट्रपति ने होर्मुज मुद्दे पर पीएम मोदी से बात की

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत कर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षा और आवाजाही के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही जल्द बहाल की जानी चाहिए।

बंगाल में बनेगा यूपी वाला मॉडल

सीएम योगी बोले- इनसे तो सड़कों पर झाड़ू लगवाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को टीएमसी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि 15 वर्षों के शासन में उसने बंगाल को आतंक, माफिया राज, कटमनी, भ्रष्टाचार व अराजकता का अड्डा बनाकर रख दिया है। बंगाल के चुनावी रण में दूसरी बार उतरे योगी ने तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के क्रम में मतदाताओं से बेखौफ होकर वोट देने की अपील करते हुए कहा कि टीएमसी के गुंडे,

माफिया क्या कह रहे हैं या कोई मौलाना क्या बक रहा है, आप किसी से भयभीत न होइए। डबल इंजन की भाजपा सरकार आने दीजिए, गुंडे, माफिया व मौलाना आपकी चाटुकारिता करते और बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाते दिखाई देंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

नासिक टीसीएस धर्मांतरण-यौन शोषण केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक स्थित TCS ऑफिस से जुड़ा धर्मांतरण और योन उत्पीड़ने का मामला गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र और राज्य सरकारों को सख्त कदम उठाने के निर्देश देने की मांग की है। इस बीच कंपनी ने कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए सभी स्टाफ को घर से काम करने को कहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट और अकासा के विमान टकराए

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट और अकासा एयर के विमान आपस में टकरा गए। घटना गुरुवार दोपहर 2 बजे हुई। जानकारी के मुताबिक अकासा का विमान हैदराबाद जाने के लिए तैयार खड़ा था। उसी समय लेह से आया स्पाइसजेट का विमान उससे टकरा गया। हादसे में स्पाइसजेट के दाहिने पंख का हिस्सा अकासा के बाएं तरफ के पिछले पंख में जा घुसा। घटना के बाद एयरपोर्ट स्टाफ ने दोनों प्लेन में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया। हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं लगी।

सुप्रीम कोर्ट में चुनावों में वोटिंग अनिवार्य करने की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में वोटिंग अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि जान-बूझकर वोट न डालने वालों के लिए दंडात्मक कार्रवाई की मांग और वोटिंग अनिवार्य बनाने वाली याचिकाओं पर कोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता।

बंगाल-मतदान से 2 दिन पहले नाम जुड़ा, तो वोट कर सकेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा- सप्लीमेंट्री लिस्ट अपडेट करें

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से दो दिन पहले तक सप्लीमेंट्री लिस्ट में नाम जुड़ने वाले वोटर्स मतदान कर सकेंगे। जिन वोटर्स की आपत्ति ट्रिब्यूनल में पेंडिंग होगी, उन्हें वोट डालने की इजाजत नहीं होगी। बंगाल में 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल्स को पहले फेज के चुनाव के लिए 21 अप्रैल तक और दूसरे फेज में 27 अप्रैल तक आपत्तियों का निपटारा करने को कहा है। जैसे ही ट्रिब्यूनल नाम जोड़ने का आदेश देगा, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर तुरंत सूची में संशोधन करेंगे और लिस्ट जारी की जाएगी। दरअसल, बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में 90.83 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए हैं। इन वोटर्स की अपील सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं। CJI सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने SIR प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रियंका का जवाब- महिलाएं बार-बार बहकाने वाले पुरुषों को पहचान लेती हैं, सावधान हो जाएं

विपक्ष क्रेडिट ले, ब्लैंक चेक देने को तैयार : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि परिसीमन में किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। यह मोदी की गारंटी है और वादा है। विपक्ष इसका क्रेडिट ले सकता है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि एक नैरेटिव गढ़ा जा रहा है कि 3 बिलों से साउथ के राज्यों की लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'लोकसभा की कुल 543 सीटों में दक्षिण राज्यों की 129 सीटें हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रियंका गांधी ने कहा, 'वे (पीएम) कह रहे हैं कि उन्हें इसका श्रेय नहीं चाहिए। मैं कहती हूं कि बार-बार बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं पहचान लेती है। सावधान हो जाइए नहीं तो पकड़े जाएंगे।' बिलों पर चर्चा के लिए 16 और 17 अप्रैल को 15 घंटे का समय तय किया गया है। कल शाम 4 बजे वोटिंग की जाएगी। संशोधन बिल में लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है।

कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे बोलीं- तीन साल टालने के बाद अब इतनी जल्दी क्यों

कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे ने केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस बिल का समर्थन करता है।

इन तीन बिलों पर लोकसभा में चर्चा

- **संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026:** लोकसभा सीटें 850 करने का प्रस्ताव है। राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेश से 35 सीटें हो सकती हैं।
- **परिसीमन (संशोधन) विधेयक, 2026:** परिसीमन के लिए 'जनसंख्या' की परिभाषा में बदलाव किया जाएगा। ताकि 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाए।
- **केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026:** यह विधेयक पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कानूनों में संशोधन करता है, ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण बिल लागू हो सकें।

आप सांसद बोले- आरक्षण का समर्थन, बशर्ते 543 सीटों पर लागू हो

सरकार के इस बयान पर कि सभी राज्यों में लोकसभा की सीटों में 50% की बढ़ोतरी होगी। इस पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि उन्हें इसका फॉर्मूला बताना चाहिए कि यह कैसे किया जाएगा, लोकसभा की सीटों में 50% की बढ़ोतरी कैसे होगी। अगर आप इसे 2011 की जनगणना के आधार पर कर रहे हैं, तो 2026 में जो जनगणना होने वाली है। उसको ध्यान में क्यों नहीं रख रहे। हम 33% आरक्षण का समर्थन करेंगे, बशर्ते यह 543 सीटों के आधार पर लागू किया जाए।

कार्रवाई : भीड़ जुटी तो अफसरों ने खदेड़ा, महिला बोली- मंदिरों पर एक्शन क्यों नहीं

संभल में ईदगाह-इमामबाड़े को बुलडोजर से ढहाया

तमसा संकेत, एजेंसी

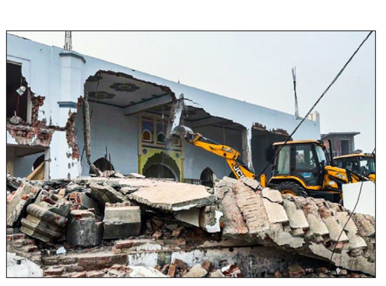

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में ईदगाह और इमामबाड़े पर गुरुवार सुबह 8 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक बुलडोजर की कार्रवाई चली। इसमें ईदगाह और इमामबाड़ा गिरा दिया गया। इमामबाड़े को तोड़ने के लिए चार बुलडोजर लगे। मौके पर 5 थानों की पुलिस फोर्स और एक कंपनी PAC तैनात रही। इसी बीच, गांव के लोग मौके पर जुट गए। विरोध की आशंका को देखते हुए अफसरों ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। प्रशासन के मुताबिक, करीब 7 बीघा चारागाह की जमीन पर ईदगाह और खाद गड्ढे की भूमि पर इमामबाड़ा बनाया गया था। गांव वालों की शिकायत के बाद लेखपाल स्पर्श गुप्ता ने 18 जनवरी को तहसीलदार कोर्ट में अपील दायर की थी। 31 जनवरी को कोर्ट के आदेश पर नोटिस अखबार में छपवाया गया था। इसमें कहा गया था कि जो भी कब्जेदार हैं, वे सामने आएं। हालांकि, कोई भी सामने नहीं आया। एक ग्रामीण जुबैदा ने कहा कि यह कार्रवाई रुकनी चाहिए। यहां इमामबाड़े और ईदगाह से सभी को सुविधा मिलती थी। गरीबों की बारातें भी यहीं रुकती थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

> डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया- बुलडोजर का खर्च भी कब्जेदारों से वसूला जाएगा। जमीन पर करीब 12 साल पहले अवैध कब्जा किया गया था। इस जमीन की अनुमानित कीमत साढ़े 6 करोड़ रुपए है।

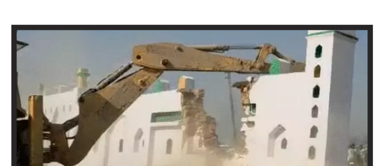

ग्रामीण ने कहा- प्रशासन ने निर्माण हटाने का समय नहीं दिया

ग्रामीण राहत जान ने बताया कि इस जगह पर साल में एक बार सार्वजनिक नमाज अदा की जाती थी और शादी-विवाह जैसे कार्यक्रम भी होते थे। इसे बनाने में जो पैसा लगा था, उन्होंने कहा कि रात में प्रधान ने अचानक जानकारी दी कि सुबह प्रशासन बुलडोजर लेकर कार्रवाई करेगा।

डीएम बोले- बुलडोजर का खर्च भी कब्जेदारों से वसूला जाएगा

डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि शासन ने लैंड बैंक बनाने का आदेश दिया है, ताकि आम जनता के सार्वजनिक कार्यों के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा सके। इसी क्रम में गुरुवार को तहसीलदार कोर्ट के निर्देश पर दो अलग-अलग सरकारी जमीनों से अवैध निर्माण हटाया जा रहा है।

ममता का आरोप : भाजपा चुनाव में बम धमाके कराएगी

तमिलनाडु में एक्टर विजय का मेनिफेस्टो जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार के दिन्हाटा की चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा उनकी (भाजपा की) योजना है कि वे एनआईए को बुलाएंगे, बम धमाका करेंगे और फिर इसका इल्जाम किसी और पर लगा देंगे। वे बाहर से कुछ लोगों को लाएंगे, आप पर आरोप लगाएंगे और कल ही उन लोगों को गिरफ्तार कर लेंगे। तमिलनाडु चुनाव के लिए तमिलगा वेट्री कझगम (TVK) के प्रमुख और एक्टर विजय ने गुरुवार को पार्टी का मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें महिलाओं को साल में 6 फ्री गैस सिलेंडर और 60 साल से कम उम्र की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए देने का वादा किया गया है।

इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं की मदद के लिए शादी के समय 8 ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का भी वादा किया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में उतर रहे करीब 23% उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है। यह खुलासा ADR और वेस्ट बंगाल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में गुरुवार को हुआ। विश्लेषण में 345 उम्मीदवारों ने आपराधिक केस और 294 ने गंभीर आरोप होने की बात कही है।

पहले मिलते थे सिर्फ 5 हजार, अब बिना कटौती के मिलेगी पूरी सहायता

रोडवेज कर्मियों के लिए अंतिम संस्कार सहायता बढ़ी, अब 20 हजार रुपये मिलेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में रोडवेज कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मियों की मृत्यु होने पर उनके अंतिम संस्कार के लिए दी जाने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया गया है। इससे पहले कर्मियों के आश्रितों को अंतिम संस्कार के लिए केवल 5 हजार रुपये की आकस्मिक सहायता दी जाती थी। इतना ही नहीं, यह राशि बाद में उनके मासिक वेतन से काट ली जाती थी, जिससे परिवारों को आर्थिक राहत नहीं मिल पाती थी। इस निर्णय का लाभ निगम में कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों—नियमित, संविदा और

आउटसोर्स—को मिलेगा। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को कठिन समय में त्वरित आर्थिक सहायता मिल सकेगी। अब इस नई व्यवस्था के तहत निगम में कार्यरत सभी श्रेणियों—नियमित, संविदा और आउटसोर्स—कर्मचारियों के आश्रितों को बिना किसी कटौती के पूरी सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस फैसले से कर्मचारियों और उनके परिवारों को कठिन समय में त्वरित आर्थिक सहयोग मिल सकेगा।

यात्रियों और कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाओं पर जोर

Dayashankar Singh ने यह भी कहा कि निगम की बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों और कर्मचारियों के लिए बेहतर और उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। परिवहन मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह फैसला पूरी तरह कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवारों को आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

अब बिना कटौती के मिलेगी सहायता

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) Dayashankar Singh ने बताया कि अब निगम के नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मियों की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को तुरंत 20 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। यह राशि निगम की आय से दी जाएगी और इसका समायोजन यात्री राहत एवं सुरक्षा योजना से किया जाएगा।

> **इससे पहले कर्मियों के आश्रितों को अंतिम संस्कार के लिए केवल 5 हजार रुपये की आकस्मिक सहायता दी जाती थी। इतना ही नहीं, यह राशि बाद में उनके मासिक वेतन से काट ली जाती थी, जिससे परिवारों को वास्तविक आर्थिक राहत नहीं मिल पाती थी।**

सीएम युवा योजना को गति देने के लिए क्रेडिट काउंसलर्स की ट्रेनिंग शुरू

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशों के तहत प्रदेश सरकार ने सीएम युवा योजना में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए इस वर्ष 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें बैंकिंग प्रक्रिया में सक्षम बनाने के उद्देश्य से गोमतीनगर में सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर्स (सीसीसी) की विशेष ट्रेनिंग आयोजित की गई। पहले बैच में 50 जिलों और दूसरे बैच में 25 जिलों को शामिल किया गया है। यूपीकॉन के सभी कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे जमीनी स्तर पर युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन दे सकें। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद कुल 90 सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात किए जाएंगे। ये काउंसलर सीएम युवा योजना के तहत ऋण लेने वाले लाभार्थियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं, दस्तावेजीकरण और प्रोजेक्ट तैयार करने में मदद करेंगे, जिससे युवाओं को आसानी से ऋण प्राप्त हो सके। यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह ने बताया कि सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर एमएसएमई उद्यमियों और बैंकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेंगे। वे न केवल उद्यमियों को उपयुक्त ऋण योजनाओं की जानकारी देंगे, बल्कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट, वित्तीय विवरण और आवश्यक दस्तावेज़ तैयार करने में भी सहयोग करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में क्रेडिट रेटिंग, सिबिल स्कोर और ग्रीन एवं नए प्रोजेक्ट्स के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सही वित्तीय योजना और बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल के माध्यम से युवा उद्यमी न केवल आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते हैं,बल्कि अनुभवी पेशेवरों विशेषकर सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों को भी अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती है। प्रदेश सरकार की यह पहल वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करते हुए एमएसएमई सेक्टर को नई ऊर्जा देने का कार्य करेगी। आने वाले समय में यह मॉडल प्रदेश में रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत आधार बनेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

17.5 एकड़ में फैला जॉगर्स पार्क बदहाली के 8 फोटोज

लखनऊ। लखनऊ के बसंतकुंज योजना (हरदोई रोड) में स्थित जॉगर्स पार्क इन दिनों बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 2010 में लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) द्वारा विकसित किया गया यह पार्क, जो कभी स्थानीय लोगों के लिए सैर और मनोरंजन का प्रमुख केंद्र हुआ करता था,अब लापरवाही और रखरखाव के अभाव में जर्जर होता जा रहा है।

ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती- राज्य सरकार के नियम रद्द

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि अब इस पद के लिए केवल केंद्र सरकार के नियम ही लागू होंगे। राज्य सरकार की बनाई गई अतिरिक्त अनुभव की शर्तों को रद्द कर दिया गया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दायर विशेष अपील और अभ्यर्थियों की रिट याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पारित किया। 2015 के नियम 8 के तहत ड्रग इंस्पेक्टर पद के लिए निर्धारित अनुभव संबंधी अतिरिक्त शर्तों को निरस्त कर दिया।

हैदर कैनाल पर बनेगी एलिवेटेड रोड

लखनऊ। लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे पर विकसित हो रही एलडीए की सबसे बड़ी आवासीय योजना वरुण विहार को शहर से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। हैदर कैनाल के समानांतर करीब 11 किमी लंबी एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसके बनने के बाद हजरतगंज से वरुण विहार तक का सफर जहां अभी 50 मिनट तक लगता है।

2 बेटियां जिंदा जलीं, 250 परिवार बेघर

डेढ़ लाख की गड्डी लिए प्रेग्नेंट महिला बोली- सब राख हो गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार शाम को लगी आग में 250 से ज्यादा झोपड़ियां राख हो गईं। 2 मासूम बहनें जिंदा जल गईं। इनमें एक 2 साल तो दूसरी 2 महीने की थी। गुरुवार सुबह घटनास्थल पर सिर्फ राख और जल चुका गृहस्थी का सामान नजर आया। बेघर हुए ये लोग राख में सामान तलाश रहे हैं। अलमारी, फ्रिज, बाइक जैसी चीजें राख में मिल गईं। बेघर हुए कुछ परिवारों को अफसरों ने रात में ही रैन बसेरों में भेजा था, जबकि कुछ ने पास के खाली प्लॉट में रात बिताई। महिलाओं ने रोते हुए आरोप लगाया कि कोठीवालों ने उनकी झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्हें पहले धमकाया गया था कि झोपड़ियां हटा लो, नहीं तो गोली मार दी जाएगी। हम नहीं हटे, तो झोपड़ियों में आग लगा दी। उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी भर

की कमाई राख हो गई। अगर समय पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच जाती, तो कुछ सामान बच सकता था। एक महिला हाथों में डेढ़ लाख रुपए की जली नोटें लेकर बताया- देखिए पति की कमाई जल गई। फिलहाल, विकासनगर इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। पीड़ित लोग शाम तक अपने उजड़ी झोपड़ियों से बचा-खुचा सामान समेट रहे हैं। एक-दो ने दोबारा पुरानी जगह पर अपनी टाट-पट्टी डाल दी है। कई समाजसेवी लोगों को खाना खिला रहे हैं। अफसर-कर्मचारी बेघर हुए लोगों की लिस्ट बना रहे हैं।

3 लग्जरी कार जब्त, रियल एस्टेट के नाम पर ठगी करने वाले गैंग पर कार्रवाई

5.78 करोड़ की संपत्ति कुर्क

- **लखनऊ में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत 5.78 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क कर दी।**

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत 5.78 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क कर दी। यह कार्रवाई मोहनलाल-गंज और नगराम पुलिस की संयुक्त टीम ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर की। पुलिस के मुताबिक गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय और उसके साथी विनोद

कुमार उपाध्याय समेत अन्य सदस्य रियल एस्टेट के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। आरोपी खुद को प्रतिष्ठित कंपनी का प्रतिनिधि बताकर फर्जी या विवादित जमीन दिखाते और प्लॉट बेच देते थे। बाद में पीड़ितों को पता चलता कि जमीन या तो अस्तित्व में नहीं है या आरोपी के नाम पर ही नहीं है। पुलिस ने ओमेक्स सिटी स्थित प्लॉट और अर्धनिर्मित मकान समेत कई संपत्तियों को कुर्क किया है। इसके अलावा तीन लग्जरी वाहनों- टोयोटा इनोवा, मारुति स्विफ्ट और महिंद्रा बोलेरो को भी जब्त किया गया है। जांच में सामने आया कि कई मामलों में पीड़ितों को बाद में पता चलता था कि जिस जमीन का सौदा किया गया है, वह या तो अस्तित्व में ही नहीं है या फिर आरोपी के नाम पर नहीं है। इस तरह गैंग ने कई लोगों से बड़ी रकम ठग ली। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान ओमेक्स सिटी क्षेत्र में स्थित प्लॉट और अर्धनिर्मित मकान समेत कई संपत्तियों को कुर्क किया। इसके अलावा गैंग के पास मौजूद तीन लग्जरी वाहनों—Toyota Innova, Maruti Swift और Mahindra Bolero को भी जब्त किया गया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि इस गैंग के खिलाफ पहले से कई शिकायतें दर्ज थीं और जांच के बाद गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कड़ी कार्रवाई की गई।

सेना और अर्द्धसैनिक बल के कर्मियों को भी बनाते थे निशाना

जांच में सामने आया कि गैंग खासतौर पर सेना और अर्द्धसैनिक बल के कर्मियों को निशाना बनाता था। ड्यूटी की व्यस्तता का फायदा उठाकर उन्हें सीमित समय में फर्जी जमीन दिखाकर रजिस्ट्री करवा दी जाती थी। वर्ष 2020 से अब तक लखनऊ के मोहनलालगंज, पीजीआई, सरोजनीनगर, कैंट और आशियाना थानों में गैंग के खिलाफ कुल 66 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, कूटरचना, आपराधिक साजिश और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

न्यायालय के आदेश पर हुई कार्रवाई

संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के न्यायालय द्वारा 6 अप्रैल 2026 को दिए गए आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। मौके पर संपत्तियों पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर उन्हें न्यायालय के अधीन घोषित किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और आम जनता के आर्थिक हितों से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

"जनगणना से बचने की साजिश", पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अधिकार देने की उठाई मांग

महिला आरक्षण पर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने के पक्ष में रही है और 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन भाजपा की नीतियों और मंशा पर सवाल खड़े किए। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा देश की सबसे बड़ी आबादी—पिछड़े वर्ग की महिलाओं—को लेकर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) में 'ए' का मतलब आधी आबादी यानी महिलाएं हैं, और इसमें सभी वर्गों की महिलाएं शामिल हैं।

जनगणना टालने का लगाया आरोप

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर भाजपा जल्दबाजी इसलिए कर रही है क्योंकि वह जातीय जनगणना से बचना चाहती है। उनके अनुसार, अगर जनगणना होगी तो वास्तविक आंकड़े सामने आएंगे और आरक्षण का सवाल मजबूती से उठेगा, जिसे भाजपा टालना चाहती है।

महिला प्रतिनिधित्व पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि देश में जेंडर इक्वलिटी के मामले में भारत 127वें स्थान पर है। उन्होंने पूछा कि भाजपा की सरकारों में कितनी महिला मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के विधायकों व सांसदों में महिलाओं की संख्या कितनी है।

डॉ. लोहिया के विचारों का किया जिक्र

राम मनोहर लोहियाके विचारों का हवाला देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा जेंडर जस्टिस और सोशल जस्टिस के पक्ष में रही है। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाओं की राजनीति में भागीदारी नहीं बढ़ेगी, तब तक सामाजिक क्रांति अधूरी रहेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर की कीमतों ने महिलाओं की रसोई पर सीधा असर डाला है। उन्होंने दावा किया कि आज सबसे ज्यादा परेशान महिलाएं ही हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

> **अखिलेश यादव ने चुनाव क्षेत्रों के रोटेशन सिस्टम का विरोध करते हुए कहा कि इससे नेताओं का अपने क्षेत्र से भावनात्मक जुड़ाव खत्म हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन के जरिए चुनावी नक्शा अपने फायदे के अनुसार बदलना चाहती है।**

नोएडा लाठीचार्ज मामले की जांच को सपा प्रतिनिधिमंडल 17 अप्रैल को जाएगा

वेतन बढ़ोतरी और ओवरटाइम को लेकर प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों पर कार्रवाई का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav के निर्देश पर पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 17 अप्रैल 2026 को Noida (गौतमबुद्धनगर) का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य हाल ही में हुए मजदूरों पर लाठीचार्ज की घटना की जानकारी लेना और प्रभावित श्रमिकों से मुलाकात करना है। जानकारी के अनुसार, नोएडा में मजदूरों और श्रमिकों से 10 से 12 घंटे काम लिया जा रहा था, जबकि उन्हें केवल 10 से 11 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा था। इसके अलावा साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जा रहा था। श्रमिक लंबे समय से वेतन वृद्धि और अतिरिक्त काम के लिए ओवर-टाइम भुगतान की मांग कर रहे थे। Noida फेस-2 स्थित Motherson India Limited के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर कंपनी के बाहर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। आरोप है कि इस दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे मजदूरों पर लाठीचार्ज किया, जिससे कई श्रमिकों में आक्रोश फैल गया। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमं-डल मौके पर पहुंचकर श्रमिकों, मजदूरों और उनके परिवारों से मुलाकात करेगा तथा घटना की पूरी जानकारी एकत्र करेगा। पार्टी ने इस घटना को गंभीर बताते हुए इसे श्रमिकों के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया है। इस प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक एवं पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, अतुल प्रधान, पंकज कुमार मलिक, पार्टी प्रवक्ता राजकुमार भाटी, जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, प्रदेश सचिव फकीर चन्द्र नागर, विशेष आमंत्रित सदस्य वीर सिंह यादव और पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी शामिल होंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक एवं पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, अतुल प्रधान, पंकज कुमार मलिक, पार्टी प्रवक्ता राजकुमार भाटी, जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, प्रदेश सचिव फकीर चन्द्र नागर, विशेष आमंत्रित सदस्य वीर सिंह यादव और पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी शामिल होंगे।

'पहले मीटर बदलो, फिर बात होगी'

लखनऊ में बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन, एसडीओ समेत अन्य अधिकारी पैदल गांव पहुंचे

- **गांव के लोग बिजली विभाग के कर्मचारियों को लेकर अपने गांव पहुंचकर नारेबाजी की।**
- **पावर हाउस से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांव तक एसडीओ समेत अन्य अधिकारी पैदल आए।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में स्मार्ट मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है। गुरुवार दोपहर इंदिरानगर के लोगों का आक्रोश सेक्टर-14 के पावर हाउस में फूट पड़ा। लोगों ने वहां पहुंचकर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। करीब एक घंटे तक पावर हाउस में प्रदर्शन किया तो अधिकारियों ने कहा कि चलिए

समस्या देखते हैं। इसके बाद वे पैदल ही प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ उनके गांव तक 1 किमी पैदल गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे बिल जमा करते हैं तो कुछ ही देर में उनका बिल माइनस में हो जाता है।

जब तक नए वाले मीटर बदले नहीं जाएंगे तब तक बात नहीं होगी। पावर हाउस पहुंचीं महिलाओं ने कहा कि विभाग द्वारा लगाए गए नए मीटर पहले बदले जाएं, तभी कोई बातचीत होगी। इसके बाद गांव में महिलाओं ने दोबारा बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान लोगों ने साफ कहा पहले मीटर बदलो, फिर बात होगी। बिजली समस्या को लेकर नाराज लोगों ने जमकर नारेबाजी की। एके शर्मा हाथ में आओ के नारे लगाए। रवि कुमार ने बताया कि बिजली विभाग की लगातार लापरवाही बढ़ती जा रही है। इससे समस्या बढ़ गई है। अधिकारी सीएम योगी को बता रहा सब ठीक चल रहा। लेकिन यूपी में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पावर हाउस से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित गांव तक एसडीओ समेत अन्य अधिकारी पैदल पहुंचे।

टिक्कू ने बताया कि पंडित पुरवा सेक्टर 11 के रहने वाले हैं। 1 महीने के अंदर तीन बार बिजली का बिल जमा करना पड़ा है। लगातार लाइट काटने की समस्या आ रही है।

हम लोग चाहते हैं कि मीटर बदला जाए। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड,ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और अधिकारियों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए गए हैं।

घटना : 700 से ज्यादा झोपड़ियां जलकर राख, राहत में देरी पर उठे सवाल

लखनऊ के विकास नगर में भीषण आग

- **विधायक रविदास मेहरोत्रा ने प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप, मुआवजे और पुनर्वास की मांग तेज**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ के विकास नगर क्षेत्र में 15 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे भीषण आग लगने से करीब 760 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। आग की लपटों ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि आग लगने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी गई थी, लेकिन रात करीब 7:30 बजे तक कोई दमकल

वाहन मौके पर नहीं पहुंचा। Ravidas Mehrotra ने मांग की है कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, जबकि जिनकी झोपड़ियां जली हैं उन्हें कम से कम 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही सभी प्रभावित परिवारों को पक्का मकान या उसी स्थान पर मालिकाना हक देने की मांग भी की गई है।

मौतों को छुपाने का आरोप

Ravidas Mehrotra ने दावा किया कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है, लेकिन प्रशासन इस तथ्य को छुपाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आग के बाद रातभर प्रभावित लोगों को अपनी झोपड़ियों में जाने नहीं दिया गया, जिससे वे अपना सामान नहीं बचा सके।

मौके पर पहुंचे विधायक, प्रशासन पर निशाना

समाजवादी पार्टी के विधायक Ravidas Mehrotra घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटनास्थल से फायर स्टेशन की दूरी महज पांच मिनट की है।

राहत व्यवस्था पर भी उठे सवाल

विधायक ने आरोप लगाया कि प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए न तो टेंट की व्यवस्था की गई और न ही भोजन-पानी का समुचित इंतजाम किया गया। इसके विपरीत समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर राहत सामग्री, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं।

> **आग की इस भयावह घटना में पीड़ित परिवारों के बर्तन, कपड़े, राशन और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। कई परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और उनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं बचा है। लोगों का कहना है कि जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंचीं, तब तक सैकड़ों झोपड़ियां पूरी तरह जल चुकी थीं।**

C M Y K

96.2 प्रतिशत के साथ अनंत पाण्डेय शीर्ष पर, कई विद्यार्थियों ने हासिल किए उत्कृष्ट अंक

ग्रिफिन पब्लिक स्कूल के छात्रों का कक्षा 10 में शानदार प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के अकबरपुर स्थित इल्तिफातगंज मार्ग पर बने ग्रिफिन पब्लिक स्कूल के छात्रों ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। इस वर्ष विद्यालय में अनंत पांडेय ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। उनके बाद शाश्वत मिश्रा ने 94.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अरुंधति और हेमंत कुमार ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। आयुष

मिश्रा ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस उत्कृष्ट परिणाम के बाद विद्यालय के अन्य छात्रों में भी उत्साह बढ़ा है। शिक्षकों का कहना है कि नियमित कक्षा कार्य, अभ्यास और अनुशासन से ही इस तरह के परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में छात्रों की उपलब्धियों की समीक्षा की गई और उनके भविष्य की पढ़ाई को लेकर मार्गदर्शन देने की योजना तैयार की गई है।

प्रबंधन ने बताया सफलता का राज

विद्यालय के प्रबंधक प्रशांत पांडेय ने कहा कि छात्रों की यह सफलता नियमित पढ़ाई, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगे भी विद्यालय छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराता रहेगा। प्रधानाचार्य मौसम पांडेय ने छात्रों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी लगन और शिक्षकों के सहयोग का नतीजा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में परिणाम और बेहतर बनाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी।

विषयवार प्रदर्शन रहा उत्कृष्ट

टॉपर अनंत पांडेय ने विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में उच्च अंक प्राप्त किए। उनकी सफलता के पीछे नियमित अध्ययन और निरंतर अभ्यास को प्रमुख कारण बताया गया। शाश्वत मिश्रा ने सभी विषयों में संतुलित प्रदर्शन किया और विशेष रूप से गणित में बेहतर अंक हासिल किए।

अरुंधति और हेमंत कुमार ने भी समान अंक प्राप्त कर अपनी कड़ी मेहनत का परिचय दिया, जबकि आयुष मिश्रा ने सभी विषयों में अच्छा संतुलन बनाए रखा।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार इस वर्ष कक्षा 10 का समग्र परिणाम पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर रहा है। विद्यार्थियों ने सभी विषयों में संतुलित प्रदर्शन किया, जो विद्यालय की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था को दर्शाता है।

सीबीएसई 10वीं में आरजेएस पब्लिक स्कूल का बेहतर प्रदर्शन

श्रेया गुप्ता 93 प्रतिशत के साथ अव्वल, कई छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाए

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सीबीएसई कक्षा 10 के परिणाम में आरजेएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। विद्यालय की छात्रा श्रेया गुप्ता ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। ज्योति उपाध्याय ने 87 प्रतिशत, मृत्युंजय गुप्ता ने 86.7 प्रतिशत और आयुष सिंह ने 86.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा कई छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रबंध निदेशक बलवंत बहादुर सिंह और मुख्य अनुशास्ता नीलम सिंह ने छात्रों को सम्मानित किया। इस दौरान छात्रों को आगे भी मेहनत और

अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य रणंजय सिंह और समन्वयक विजय प्रताप पांडेय ने कहा कि परिणाम में शिक्षकों के परिश्रम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी।

फास्ट न्यूज

शहजादपुर गांधी तिराहा के पास चलती कार में लगी आग

अंबेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र के शहजादपुर स्थित गांधी तिराहा के पास बुधवार देर रात एक चार पहिया वाहन में अचानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। आग लगते ही वाहन में सवार लोग तुरंत बाहर निकल आए। इससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

अंबेडकरनगर। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने के आरोपी सुंदरम उर्फ कल्लू की जमानत अर्जी खारिज कर दी। मामला अकबरपुर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मोहल्ले के सुंदरम उर्फ कल्लू ने उनकी नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।

2026 का आयोजन 17-18 अप्रैल को लखनऊ में

अंबेडकरनगर। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "दुग्ध स्वर्ण महोत्सव–2026" का आयोजन 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि यह आयोजन प्रदेश के पशुपालकों, आधुनिक डेयरी तकनीक, विभागीय योजनाओं और निवेश संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में निकाली गई पदयात्रा

रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय की पहल, छात्राओं ने दिया जागरूकता संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय, अकबरपुर की ओर से गुरुवार को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023" के समर्थन में जनजागरूकता पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। पदयात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से हुआ। प्राचार्य प्रो. अरविन्द कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना समाज और राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। अधिनियम को उन्होंने महिलाओं को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम बताया। पदयात्रा महाविद्यालय से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इसमें बड़ी संख्या में

छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं ने नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। उनके हाथों में बैनर और तख्तियां थीं, जिन पर महिला अधिकार और शिक्षा से जुड़े संदेश लिखे थे। रैली के दौरान "नारी सम्मान, राष्ट्र का अभिमान" और "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसे नारे लगाए गए। इसके माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी भी शामिल रहे। उन्होंने पदयात्रा को सफल बनाने में सहयोग किया।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप

अंबेडकरनगर। कटका थाना क्षेत्र में नाबालिग बेटी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पीड़ित पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है और लगातार सुलह का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित पिता के अनुसार घटना 5 अप्रैल 2026 की है। उनकी बेटी दोपहर करीब 2 बजे गेहूं की मड़ाई के लिए खेत जा रही थी। रास्ते में गांव के दिलीप, शांति, जोखई और रविंद्र ने उसे घेरकर पकड़ लिया। आरोप है कि उसे पहले जोखई के घर में बंधक बनाया गया। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया। रात में बाइक पर मुंह बांधकर रविंद्र के घर (आजमगढ़) ले जाया गया, जहां दुष्कर्म की घटना हुई। पीड़ित ने बताया कि तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उनकी निशानदेही पर नाबालिग को बरामद कर थाने लाया गया।

नगर के कई स्थानों पर पेयजल व्यवस्था प्रभावित, मरम्मत में देरी से असुविधा

भीषण गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ी, आरओ वाटर कूलर बंद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में बढ़ती गर्मी और तेज धूप ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। दिन चढ़ते ही तापमान बढ़ने से लोग घरों से निकलते समय छाता, गमछा और कैप का सहारा ले रहे हैं। गर्म हवाओं और धूप की तपिश के बीच पेयजल की व्यवस्था भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। अकबरपुर नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर लगाए गए आरओ वाटर कूलर गर्मी में राहत देने में नाकाम साबित हो रहे हैं। रोडवेज, गांधीनगर और शिवजी मंदिर के पास लगा आरओ वाटर कूलर लंबे समय से बंद पड़ा है। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों

को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कूलर कई दिनों से खराब था और शीतल पेयजल उपलब्ध नहीं करा पा रहा था। इसको लेकर शिकायत भी की गई थी, जिसके बाद कर्मचारियों द्वारा इसे मरम्मत के लिए ले जाया गया।

मरम्मत में देरी से बढ़ी समस्या

स्थानीय लोगों के अनुसार कूलर का एक पार्ट मरम्मत के लिए ले जाया गया था, लेकिन लगभग 10 दिन बीत जाने के बाद भी उसे वापस नहीं लगाया गया है। इससे गर्मी के मौसम में लोगों को ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें मजबूरी में अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल सुविधा का बंद होना परेशानी बढ़ा रहा है। दिन के समय राहगीरों, यात्रियों और दुकानदारों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है।

नगर में पेयजल व्यवस्था पर सवाल

नगर क्षेत्र में लगे अन्य पेयजल संसाधनों की स्थिति भी पूरी तरह संतोषजनक नहीं बताई जा रही है। कई जगहों पर कूलर या तो खराब हैं या नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहे हैं।

विवाद बढ़ने पर शिक्षक का शांतिभंग में चालान, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

आबादी की जमीन पर कब्जे का आरोप, डीएम से जांच की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बेवाना क्षेत्र में आबादी की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जमीन से कब्जा हटवाने और मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्राम बेवाना निवासी रामजी ने शिकायत में बताया कि वह लंबे समय से आबादी की जमीन के पास रह रहे हैं। इसके पास उनकी निजी भूमि भी स्थित है। आरोप है कि गांव का ही एक व्यक्ति उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। शिकायत के अनुसार, जमीन पर गड्ढा खोदकर पक्के पिलर खड़े कर दिए गए हैं। विरोध

करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित का कहना है कि कब्जे के दौरान बाहरी लोगों को बुलाकर दबाव बनाया जा रहा है। रामजी ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस अवैध कब्जे का विरोध किया, तो उन्हें गाली-गलौज का सामना करना पड़ा और जान से मारने की धमकी भी दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि कब्जे के दौरान बाहरी लोगों को बुलाकर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि जमीन से अवैध कब्जा हटाया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। दोनों पक्षों को थाने ले जाकर शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया।

असुविधा और दबाव का आरोप

पीड़ित का कहना है कि विवादित भूमि पर लकड़ी, घूर गड्ढा और अन्य सामान रखकर कब्जा किया जा रहा है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही है। आरोप है कि कार्रवाई न होने से कब्जाधारियों के हौसले बढ़ रहे हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आबादी की जमीन से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की अपील की गई है।

लेखपाल और पुलिस की भूमिका पर सवाल

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में स्थानीय लेखपाल और पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध रही है। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे विवाद बढ़ता गया। 10 अप्रैल को दोनों पक्षों में विवाद हुआ। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाकर शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया।

मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छात्रों को अवसाद, एंजाइटी और आत्महत्या के संकेतों पर दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग कमेटी के तहत गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इसमें बीएनकेवी पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राएं और प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने मेंटल हेल्थ कमेटी के उद्देश्य और महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों में काउंसलर की व्यवस्था जरूरी है। डॉ. सुधांशु ने अवसाद और उससे जुड़े भ्रमों पर

चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानसिक बीमारी को लेकर जागरूकता जरूरी है। डॉ. पारुल यादव ने एंजाइटी डिसऑर्डर और नशे से जुड़ी समस्याओं के कारण और प्रभाव समझाए। डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने आत्महत्या से जुड़े जोखिम, चेतावनी संकेत और बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम में मौजूद छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की सलाह दी गई। आयोजन में मेडिकल कॉलेज और बीएनकेवी पीजी कॉलेज के शिक्षक भी मौजूद रहे।

डॉ. उदयराज मिश्र के 28वें काव्य संग्रह 'शब्दांबर' का विमोचन

अंतरराष्ट्रीय रामायण सेंटर के पूर्व आचार्य ने किया उद्घाटन, साहित्यिक जगत में सराहना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के जाने-माने साहित्यकार, शिक्षक और वक्ता डॉ. उदयराज मिश्र के 28वें काव्य संग्रह 'शब्दांबर' का विमोचन बुधवार को अंतरराष्ट्रीय रामायण सेंटर, मॉरिशस के पूर्व आचार्य पंडित राकेश पाण्डेय और भागवताचार्य पंडित गर्गाचार्य ने व्यास पीठ से किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, विद्वान और साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

काव्य संग्रह के विमोचन के दौरान साहित्य और संस्कृति से जुड़े विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। वेदाचार्य पंडित रामनारायण मिश्र सहित अनेक याज्ञिक और विद्वान भी इस अवसर पर मौजूद रहे। डॉ. उदयराज मिश्र वर्तमान में गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, राजेसुलतानपुर में वरिष्ठ प्रवक्ता

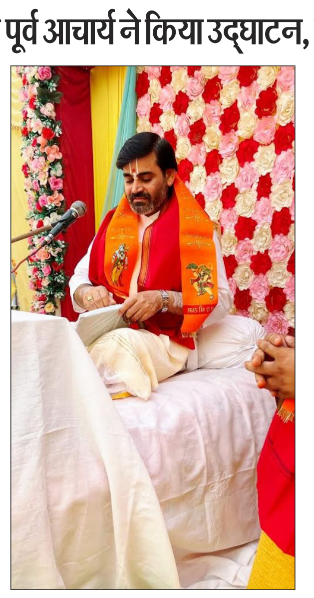

के रूप में कार्यरत हैं।

वे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश के माध्यमिक संवर्ग के अयोध्या मंडल अध्यक्ष भी हैं।

उनके अब तक 27 साझा काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा उनके सैकड़ों लेख और स्तंभ देश-विदेश के विभिन्न मंचों पर प्रकाशित हो चुके हैं। अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में उनके साहित्य पर शोध कार्य भी शुरू किया गया है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके साहित्यिक योगदान और हिंदी साहित्य में उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना की।

काव्य संग्रह 'शब्दांबर' को उनकी लेखन यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया गया। काव्य संग्रह के विमोचन पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी, वित्त एवं लेखाधिकारी, विभिन्न प्रधानाचार्य, शिक्षाविद और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

निर्देश : अंबेडकरनगर में 8 जांच टीमें गठित, ब्लॉकों में होगा सत्यापन अभियान

अवैध स्कूलों और कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की तैयारी तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में बिना मान्यता के संचालित हो रहे विद्यालयों और निजी कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश के बाद जिला स्तर पर अभियान तेज किया गया है। जिले में कुल आठ जांच टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों को अलग-अलग ब्लॉकों में अवैध रूप से चल रहे विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। टीमें मौके पर जाकर संचालन की स्थिति का सत्यापन करेंगी और रिपोर्ट तैयार करेंगी। जांच टीमों में राजकीय विद्यालयों के

प्रधानाचार्य, प्रवक्ता और शिक्षक शामिल किए गए हैं। इन्हें अपने-अपने ब्लॉकों में नियमित निरीक्षण और सत्यापन करना होगा। टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे हर माह के अंतिम सप्ताह में अपनी रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप पर कार्यालय में जमा करें।

जरूरत पड़ने पर पुलिस बल की सहायता भी ली जा सकेगी।

कार्रवाई के निर्देश

जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि बिना मान्यता के चल रहे विद्यालयों और नियमों के विपरीत संचालित कोचिंग संस्थानों पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे संस्थानों को तत्काल संचालन बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान नियम उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर ही कार्रवाई की जाएगी।

आठ जांच टीमें गठित

अवैध रूप से संचालित शैक्षणिक संस्थानों पर नकेल कसने के लिए जिले में कुल आठ जांच टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों को अलग-अलग ब्लॉकों में भेजा जाएगा, जहां वे मौके पर जाकर विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की स्थिति का निरीक्षण करेंगी और उनकी वैधता का सत्यापन करेंगी।

टीमों में शामिल किए गए शिक्षक और अधिकारी

जांच टीमों में राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रवक्ता और अनुभवी शिक्षकों को शामिल किया गया है। इनकी जिम्मेदारी तय की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से निरीक्षण करें और किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर उसे रिपोर्ट में दर्ज करें।

हर माह देनी होगी रिपोर्ट

प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी जांच टीमें हर माह के अंतिम सप्ताह में अपनी रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय में जमा करें। इन रिपोर्टों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीआईओएस ने कहा कि जिले में अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल बनाना प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के बाद अवैध संचालन पर नियंत्रण की उम्मीद जताई जा रही है। इन रिपोर्टों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

नए ऐतिहासिक मोड़ पर न्यायपालिका

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बीच हुआ संवाद न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। कथित आबकारी घोटाला मामले में 21 मार्च 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। मई से सितंबर 2024 के बीच उन्हें अंतरिम जमानत मिली और अंततः रिहाई हुई। लगभग दो साल बाद फरवरी 2026 में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सबूतों की कमी के कारण अरविंद केजरीवाल को तमाम आरोपों से बरी कर दिया। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इस फैसले से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि अदालत ने सबूतों का सही मूल्यांकन नहीं किया, इसलिए उन्होंने इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। लेकिन हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच के समक्ष मामला जाने से श्री केजरीवाल ने असंतोष दिखाया। अरविंद केजरीवाल अपनी पैरवी खुद कर रहे हैं और इस सोमवार उन्होंने जस्टिस शर्मा के सामने ही यह मांग रखी कि वे खुद को इस मुकदमे अलग करें। राजनीति अदालत में अरविंद केजरीवाल ने तर्क दिया कि जस्टिस शर्मा ने ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे, जिससे उनके मन में न्याय मिलने को लेकर आशंका पैदा होती है कि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलने का डर है। श्री केजरीवाल ने कहा कि कानून के अनुसार केवल 'पूर्वाग्रह की उचित आशंका' ही किसी जज के केस से हटने के लिए पर्याप्त आधार है। उन्होंने जज के 'रिक्यूज़ल' यानी खुद को मामले से अलग करने के सिद्धांत पर सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले का ज़िक्र किया जिसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह ज़रूरी नहीं है कि कोई जज पक्षपाती हो, लेकिन अगर पार्टियों के मन में कोई वाजिब शक है तो यह रिक्यूज़ल का मामला बनता है। इस बारे में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, 'मैंने खुद को सुनवाई से अलग रखने यानी रिक्यूज़ल से जुड़े कानून के बारे में बहुत कुछ सीखा। मेरी जिंदगी में पहली बार किसी ने मुझसे खुद को सुनवाई से अलग रखने के लिए कहा है। लेकिन मैंने इसके बारे में बहुत कुछ सीखा। मुझे उम्मीद है कि मैं एक अच्छा फैसला दे पाऊंगी।' अब गुरुवार को अरविंद केजरीवाल ने एक और नया हलफनामा अदालत में दाखिल किया है, जिसमें साफ कहा गया है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे केंद्रीय सरकारी पैनलों में हैं, यानी वरिष्ठ अधिवक्ता और मोदी सरकार के सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम कर रहे हैं। तुषार मेहता उन्हें मामले सौंपते हैं। ऐसी स्थिति में माननीय जज के लिए तुषार मेहता के खिलाफ कोई आदेश पारित करना कठिन होगा। इसलिए अन्य कारणों के साथ-साथ, माननीय न्यायाधीश को इस मामले से स्वयं को अलग कर लेना चाहिए। हलफनामे में दावा किया गया है कि चूंकि केंद्र सरकार इस मामले में एक पक्ष है, इसलिए इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित हो सकती है। याचिका में कहा गया है कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। जब जज साहिबा के करीबी सदस्य उस पक्ष (केंद्र सरकार) के साथ पेशेवर रूप से जुड़े हों जिससे संबंधित मामला सुना जा रहा है, तो यह 'उचित निष्पक्षता' के सिद्धांत के खिलाफ है। अब इस मामले में आगे क्या होता है और किस तरह दिल्ली हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई होती है, क्या जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस मामले की सुनवाई करेंगी या श्री केजरीवाल की मांग सुनते हुए अलग हो जाएंगी, यह देखना दिलचस्प होगा। मगर इतना तय है कि अब यह मामला कानूनी और राजनैतिक पहलू से बढ़कर भारतीय लोकतंत्र में संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुका है। इस मामले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका के बीच शक्ति-संतुलन, जांच एजेंसियों के राजनैतिक इस्तेमाल और विधिक प्रक्रिया की शुचिता और सक्रियता से जुड़े गंभीर प्रश्नों को जन्म दिया है। इस मामले का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण कानूनी और संवैधानिक बहसों को दिशा देगा और भावी सुनवाइयों के लिए मिसाल भी बनेगा। दरअसल स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनावों या सरकारों तक सीमित नहीं होती है, बल्कि न्यायिक स्वतंत्रता और संस्थागत पारदर्शिता के पैमाने पर भी लोकतंत्र को परखा जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे राजनैतिक, संवैधानिक और संस्थागत संतुलन की परिभाषा नए सिरे से तय हुई है।

देश की राजनीति एक बड़े बदलाव की दहलीज पर, क्या होगा आगे ?

> केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पहले दो बिल पेश करेंगे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीसरा बिल पेश करेंगे। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति ने इस चर्चा के लिए 18 घंटे का समय तय किया है, जो शुक्रवार तक भी चल सकती है। लोकसभा से पास होने के बाद राज्यसभा में इन बिलों पर चर्चा होगी।

देश की राजनीति एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। आज से संसद का विशेष सत्र शुरू हो रहा है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। इनका उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी तरह लागू करना है। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में पेश करने के लिए तीन बिलों की सूची जारी की है। इनका मकसद 2029 तक महिलाओं के लिए आरक्षण कानून को लागू करना और लोकसभा की सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 तक करना है। परिसीमन इस रणनीति का सबसे पेचीदा हिस्सा है। दक्षिण भारत के कई राज्यों को डर है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होने से उनकी राष्ट्रीय स्तर पर ताकत कम हो सकती है। हालांकि, सरकार का कहना है कि सीटें घटेंगी नहीं, बल्कि सभी राज्यों की सीटें बढ़ेंगी, जिससे संतुलन बना रहेगा। फिर भी, क्षेत्रीय दल इसे अपने प्रभाव में संभावित कमी के रूप में देख रहे हैं। कुल मिलाकर, ये सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम है। असल में, ये कहानी 2023 से शुरू होती है, जब संसद ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" पारित किया था। इस कानून में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान तो था, लेकिन इसे लागू करने के लिए पहले नई जनगणना और परिसीमन जरूरी बताया गया था। इसी कारण कई लोगों को लगा कि इस बदलाव को जमीन पर उतरने में काफी समय लग सकता है। लेकिन हर कहानी में एक दूसरा पक्ष भी होता है। जैसे ही ये विधेयक सामने आए, विपक्षी दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना है कि यह कदम पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के

विधानसभा चुनावों से ठीक पहले महिलाओं को आकर्षित करने की कोशिश है और इसे उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति बताया। अब सबकी नजरें उस विशेष संसद सत्र पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि ये प्रस्ताव कानून बनते हैं या नहीं। कुलदीप सिंह सेनेगर और बृजभूषण सिंह जैसे नामांकन इस बात का उदाहरण देने के लिए पर्याप्त हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी महिलाओं के अधिकारों के प्रति कितनी जागरूक है। भाजपा 2014 से सत्ता में है। अगर भाजपा 'नारी शक्ति' को सलाम करने के प्रति इतनी ही ईमानदार है तो उसे केवल सांसदों की संख्या को आरक्षण देने से किसने रोका है? सभी दल इसके लिए भी तैयार हैं, इसलिए जो सांसद 300 सांसदों का बोझ न हों, जो जल्द विकसित होने वाले भारतीयों पर बोझ न डालें, उनकी संख्या में नारी शक्ति को सलाम करना बुद्धिमानी होगी। किसी भी मुद्दे पर 'राष्ट्र प्रथम' की सोच रखने वाली पार्टी को देश के सामने सांसदों की नई आबादी के साथ आने वाले आर्थिक संकट को महसूस नहीं करना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस की तरह भ्रष्ट नहीं है, लेकिन अगर यह मुद्दा उसके सिर में नहीं चमकता है, तो देश के सामने चुनौती कितनी गंभीर है सावधान रहें। प्रस्तावित दूसरे संशोधन के माध्यम से जहां सांसदों की संख्या बढ़ाई जा रही है, वहीं अनिर्वाचित, आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिगामी काउ-बेल्ट के प्रतिनिधियों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, और उन्नत, शिक्षित और विकसित दक्षिणी राज्यों को कम सांसदों से संतोष करना होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और दिल्ली में वर्तमान में लोकसभा के 543 सांसदों में से 207 सांसद हैं। नवीनतम संविधान संशोधन के पारित होने के साथ, इन राज्यों के सांसदों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़कर 366 हो जाएगी। केरल और पुडुचेरी से लोकसभा में जाने वाले सदस्यों की संख्या 132 से बढ़कर 176 हो जाएगी। यह 33 प्रतिशत की वृद्धि है। इसका मतलब है कि पिछड़े राज्यों में सांसदों की संख्या में 77 प्रतिशत की वृद्धि होगी जबकि दक्षिणी राज्यों की वृद्धि दर उनमें से आधे से भी कम होगी। एक देशभक्त सरकार द्वारा ऐसा करने का एकमात्र कारण कर्नाटक को छोड़कर दक्षिणी राज्यों में हिंदुत्व का अवरुद्ध 'विकास' है, जो नहीं उगते हैं उन्हें बेअसर करना और उन राज्यों को महत्व देना जहां कांग्रेस घास की तरह उगती है। संशयी। पूर्वी राज्यों में प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी भी 14.4 प्रतिशत से घटकर 13.7 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में जनप्रतिनिधियों की हिस्सेदारी 4.4 प्रतिशत से घटकर 3.8 प्रतिशत हो जाएगी। संक्षेप में, पूरा भारत गाय बेल्ट से बंधा होगा। तीसरा संशोधन जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बीच संबंधों को तोड़ने का पुण्य कार्य करेगा, जिसके अनुसार परिसीमन 2031 में किए जाने की उम्मीद है। संविधान के अनुच्छेद 82 में कहा गया है कि इन निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 1952, 1962 और 1972 की जनगणना के बाद किया जाए और 1976 में संविधान के संशोधन के बाद, परिसीमन को 2001 तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया। उस वर्ष इस तारीख को और 25 साल के लिए बढ़ा दिया गया था ताकि यह इस वर्ष समाप्त हो जाए। हालांकि, वर्तमान सरकार ने 2021 में जनगणना को स्थगित करने का फैसला किया। मैंने शुरू नहीं किया। उस साल इसका कारण कोरोना महामारी दी गई थी। इस पर फिर से चर्चा करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि पूरे देश ने अनुभव किया है कि वह कितने ईमानदार थे। रुकी हुई जनगणना अभी शुरू हुई थी।

अशोक भाटिया

अमेरिका से पहली...

रामा तक्षक

क्या ट्रम्प ने दुख, पीड़ा और घृणा की एक अपरिवर्तनीय श्रृंखला को जन्म दिया है !

राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान पर युद्ध झोंक कर, ओंधेमुँह गिर पड़ा है। इस्लामाबाद डील मेँ असफलता के बाद अमेरिका ने होर्मुज खाड़ी की नाकेबन्दी कर दी है। ईरान के द्वारा नाकेबन्दी तो पहले से ही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबन्दी की पहल उसकी विवशता को भी दर्शाती है। अमेरिका चाहता है कि किसी भी तरह ईरान अमेरिका के सामने घुटने टेक दे। अमेरिका से पहली सूचना आई थी कि इसका विकल्प ढूँढ़ा जाएगा। दूसरे ही दिन होर्मुज की नाकेबन्दी कर दी गई। ट्रम्प का ट्वीट कर कहना है कि हम तेल के जहाजों को बमबारी कर ध्वस्त कर देंगे। ट्रम्प का यह कहना बहुत आसान है। ऐसा करना उसे भविष्य में भारी पड़ेगा। होर्मुज की खाड़ी में चलने वाले जहाज छोटी मोटी नौकाएँ नहीं हैं। फौरी तौर पर, तेल के जहाजों की पहचान करके उन्हें वापस जाने या आगे बढ़ने के लिए कहा जाएगा। अमेरिका केवल इतना ही कर सकता है। इस समय तेल से भरे और होर्मुज की खाड़ी से निकल कर बाहर जाने वाले तेल के जहाजों की संख्या बहुत ही सीमित है। जिन खाली टैंकरों को ईरान जाना है या वे ईरान के टैंकर हैं, वे बहुत सोची समझी नीति अपनायेंगे। तेल के ये जहाज बहुत से देशों की अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ हैं। भारत और चीन जैसे देशों को अमेरिका का यह कदम फूटी आँखों नहीं सुहायेगा। अमेरिका द्वारा होर्मुज की नाकेबन्दी से समस्या के नये आयाम खुलेंगे और उन पर काबू पाना ट्रम्प की अकबकाहट में सामने आयेगा। ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जाने की कोशिश में पूरा यूरोप एक होकर गुर्राने लगा था। इस गुर्राहट पर ट्रम्प के स्वर तुरंत बदल गए थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्ट्रामर कह चुके हैं कि ;;ट्रम्प ट्रम्प'' सुनते सुनते बहुत हो गया। अब हम

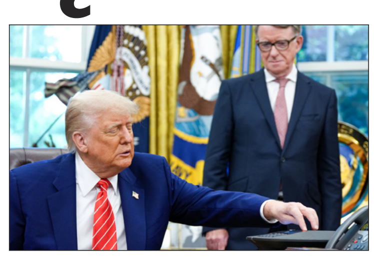

अपने हितों को आगे रखकर नीति अपनायेंगे। अमेरिका सैन्य बल के भरोसे होर्मुज खाड़ी की नाकेबंदी में सफल हो सकता है। लेकिन यह नाकेबंदी, नये सिरे से आर्थिक संकट की पहल है। इस नाकेबन्दी से अब अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में ईरान की ओर अंगुली उठना बंद हो जायेगी। राजनीतिक तौर पर यह ईरान की जीत है। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में, होर्मुज खाड़ी की नाकेबंदी कर, राष्ट्रपति ट्रम्प अगली ठोकर खाने के लिए कदम बढ़ा रहे है। असल में ट्रम्प ने पंडोरा बॉक्स को खोल लिया है। अन्तर्राष्ट्रीय कानून के तहत इस तरह की नाकेबन्दी मानवाधिकार के विरुद्ध है। वैश्विक राजनीति में अमेरिका का यह कदम नया बवाल पैदा करेगा। अभी इसके परिणामों का धुँधलका पर्दे के पीछे हो रही बातों में, राजनयिकों के मुँह पर छाया होगा। ट्रम्प कह रहे हैं कि मैं बहुत हतोत्साहित हूँ कि नाटो आगे नहीं आया। नाटो के देश अमेरिका की सहायता के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। नाटो के देश आते तो होर्मुज की खाड़ी को जल्दी सुरक्षित किया जा सकता था। अब वे नहीं आ रहे हैं तो अमेरिका होर्मुज की खाड़ी में ईरानी माइंस को हटाकर सफाया करेंगे। इसमें बहुत अधिक समय नहीं लगेगा। राजनीतिक तौर पर यह बयानबाजी बड़ी उथली लगती है। ट्रम्प का यह बयान ईरान की माँद, होर्मुज की खाड़ी में फँसे शेर की गुर्राहट से अधिक नहीं है। ईरान इस तथ्य से भलीभाँति परिचित है। होर्मुज की खाड़ी में बिछाई गई ईरानी माइंस की सफाई कठिन काम है। अमेरिकी सेना को ईरान के ड्रोन और कन्धों पर ढ़ोकर चलाई जा सकने वाली मिसाइलों का सामना करना भारी पड़ेगा। ईरान ने होर्मुज की खाड़ी में, वास्तव में माइंस बिछाई हुई हैं, इस बात का हालाँकि कोई सबूत नहीं है लेकिन ईरान का इतना कह भर देना कि खाड़ी में माइंस बिछाई हुई हैं, यह अमेरिका के सिर में दर्द करने के लिए काफी है। जो भी हो, अमेरिका के लिए इस स्थिति से एक दो सप्ताह में निपटना बहुत मुश्किल है। इस स्थिति में अमेरिका पर प्रतिदिन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का दबाव बढ़ेगा। ट्रम्प की सारी राजनीति टेबल की राजनीति है। ट्रम्प की राजनीति है ''मैं कहूँ वैसा ही घटे।'' दुनिया भर के राजनेता ट्रम्प के इस व्यवहार को जाने अनजाने में झेल रहे हैं। ट्रम्प को राजनय का जमीनी ज्ञान नहीं है। वह सौदेबाजी व दादागिरी में माहिर है। दादागिरी में ईरान युद्ध के विषय में ट्रम्प ने बहुत बार कहा है कि हम जीत गये हैं। जब ट्रम्प की दादागिरी नहीं चलती तो उसकी जबान पर बौखलाहट भी जल्दी ही आ जाती है। राजनीति के खिलाड़ी इस जबान की लड़खड़ाहट को आसानी से भलीभाँति पहचानते हैं। अमेरिका में भी राष्ट्रपति ट्रम्प के सपोर्टर, ट्रम्प के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाने लगे हैं। पंडोरा का पिटारा कहावत सदियों पुरानी है। ग्रीक पौराणिक कथाओं का रूपक पेंडोरा का बक्सा एक ऐसी कार्य दिशा को दर्शाता है जो बाहरी तौर पर तो निर्दोष सा प्रतीत होता है। लेकिन, पेंडोरा का पिटारा का मतलब है अप्रत्याशित दुख और दुर्भाग्य का पिटारा खोलना है। जब भी कोई ''पेंडोरा का पिटारा'' खोलता है।

इतिहास शायद...

सर्वमित्रा सुरजन

यह वह मगध है, जिसे तुम मेरी तरह गंवा चुके हो !

इस बात पर इत्मीनान किया जा सकता है कि नीतीश कुमार अपनी बात के पक्के निकले, मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी, लेकिन पलटी नहीं मारी। मगर जनता के भरोसे से तो उन्होंने ऐसी पलटी मारी है कि उसका यकीन अब सिद्धांतवादी राजनीति से शायद उठ ही जाए। भाजपा ने नीतीश के लिए लगे नारे को ठेंगा दिखाते हुए अपने नारे मोदी है तो मुमकिन है, को सच कर दिखाया है। पच्चीस से छब्बीस, इतना भी नहीं चले नीतीश। अब नीतीश कुमार जब संभवतः अपने जीवन के आखिरी राजनैतिक पड़ाव पर पहुंचे हैं, तो उनके लिए यही कहा जा सकता है। पच्चीस से तीस फिर से नीतीश, यही नारा जदयू के कार्यकर्ताओं ने पिछले साल के बिहार चुनाव में बुलंद किया था। उससे पहले 2015 के चुनाव में बहार में बिहार है, फिर से नीतीशे कुमार है- का गीत बिहार में चला था। 2020 के चुनाव में जेडीयू ने नारा बुलंद किया- 'क्यों करें विचार ठीके तो हैं नीतीश कुमार'। हर पांच साल में एक ही व्यक्ति पर अगर पार्टी का भरोसा दिखे और जनता भी उसी भरोसे पर भरोसा करे, तो उस व्यक्ति का नाम नीतीश कुमार हो सकता है, कम से कम बिहार की राजनीति के संदर्भ में तो यही कहा जा सकता है। 2005 से लेकर 2025 तक नीतीश कुमार ही बिहार की राजनीति के सूर्य बने रहे। बेशक लालू यादव का तेज भी कम नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने उस तरह मौकापरस्त या सिद्धांतहीन राजनीति को स्वीकार नहीं किया, जिस पर चलकर नीतीश कुमार ने अपने लिए सत्ता का लंबा इंतजाम कर लिया था। भाजपा की सांप्रदायिक

राजनीति का डटकर मुकाबला करने की हिम्मत लालू यादव ने दिखाई तो उसका भुगतान जेल जाकर, अब तक मुकदमे झेलकर और अपने परिवार में टूट देखने तक सब तरह से करना पड़ा। इतना जरूर रहा कि लालू यादव को कभी सत्ता से बेआबरू होकर निकलने की नौबत नहीं आई। किसी ने फाइलों का जोर दिखाकर उनसे यह नहीं कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर राज्यसभा की सदस्यता लो और चुपचाप अपनी पांच-छह दशकों की राजनीति पर पूर्णविराम लगाओ। इतिहास शायद नीतीश कुमार के लिए यही सब न लिख पाए। अटलजी की भाजपा में वे शामिल थे, तब भी बिहार पर उनकी पकड़ थी, और जब मोदीजी की भाजपा में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से क्षुब्ध होकर उन्होंने अलग राह पकड़ी, तब भी बिहार उनके साथ खड़ा रहा। अमित शाह ने उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद होने की बात कही, नरेन्द्र मोदी ने डीएनए पर सवाल उठाए, लेकिन फिर भी बिना किसी ठोस, प्रत्यक्ष कारण के वे अपने ही खड़े किए विपक्षी मोर्चे को छोड़कर फिर से एनडीए में चले गए, तब भी बिहार के लोगों ने उनसे सवाल नहीं किए कि आप आखिर इस तरह पलटी मार कर क्यों अपनी फजीहत करवाते हैं।

जरा हटके

लंबे समय तक...

सौरभ वार्ष्णेय

बिहार में भाजपा का युगः एक नया राजनीतिक अध्याय

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना—ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है। हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने

विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा। ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी। अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है। सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया। सम्राट चौधरी बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। बीजेपी में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी के रणनीतिक निर्णयों के चलते सम्राट चौधरी को बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बनाया गया। मुख्यमंत्री बने तो यह उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता का परिणाम माना जाएगा।

कपड़े के गोदाम में लगी भीषण आग

कोका-कोला का गोदाम भी चपेट में आया, लाखों का सामान जलकर राख

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में कपड़े के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि पास में स्थित कोकाकोला के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। वहां बड़ी मात्रा में रखी कोल्डड्रिंक भी जलकर राख हो गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को वजह माना जा रहा है। घटना

राजातालाब क्षेत्र में गुरुवार दोपहर को हुई। व्यापारी के अनुसार, आग में करीब 7 से 8 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। उसने आरोप लगाया कि सूचना देने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, जिससे नुकसान और बढ़ गया। एडीसीपी नृपेंद्र कुमार ने बताया- त्रिवेला बिल्डिंग में नीचे दो दुकानें और ऊपर मकान बना हुआ था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है और आग पर काबू पा लिया गया है। फायर ब्रिगेड को सुबह 11:13 बजे सूचना मिली थी, जिसके बाद 11:35 बजे टीम मौके पर पहुंच गई।

अंदर फंसे 15 लोगों को बाहर निकाला गया

कपड़ा गोदाम के मालिक रूप चंद्र कटरा हैं। आग लगने के समय अंदर करीब 15 लोग फंसे हुए थे। मौके पर पहुंचे लोगों और दमकल विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। राहत की बात रही कि इस दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग बुझाने के साथ-साथ रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी फायर टीम का पूरा सहयोग किया।

> घटना के बाद रोते हुए व्यापारी त्रिभुवन प्रसाद केसरी ने बताया- वह गोदाम में सामान लेने गया था। तभी आसपास के लोगों ने उसे आग लगने की सूचना दी। जब उसने शटर उठाकर देखा तो अंदर से तेज धुआं निकल रहा था और आग फैल चुकी थी।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश में जुटी है।

स्थानीय लोग गोदाम से सामान निकालने की कोशिश में जुटे हैं।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में गूंजा महिला सशक्तिकरण का स्वर

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक सभागार सूरतगंज में गुरुवार को आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में सामने आया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही, जहां उन्हें उनके अधिकारों, क्षमताओं और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी अंगद सिंह रहे। उनके साथ रामनगर के पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख लकी सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि कुंवर आशीष सिंह, सूरतगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील वर्मा एवं महादेवा मंडल अध्यक्ष अमित सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत आयोजकों और उपस्थित महिलाओं ने फूल-मालाओं के साथ गर्मजोशी से किया। अपने संबोधन में एमएलसी अंगद सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, खेल, विज्ञान और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर ही नहीं, बल्कि कई जगहों पर उनसे आगे निकल रही हैं। पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने अपने उद्बोधन में महिलाओं की शक्ति और त्याग का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है। उन्होंने पौराणिक उदाहरण देते हुए कहा कि नारी शक्ति असीमित है, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने हाल के समय में देश की बेटियों द्वारा सीमा पर दिखाई गई बहादुरी का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय महिलाएं अब हर मोर्चे पर देश का नाम रोशन कर रही हैं।

उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आज के दौर में आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत होना बेहद आवश्यक है। इसके लिए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा और सरकार की जनकल्याण-कारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने महिला सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को न केवल शिक्षित होना जरूरी है।

फास्ट न्यूज

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग सुधारने के निर्देश

कासगंज। कासगंज में डीएम प्रणय सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के आधार पर आयोजित की गई। सीएम डैशबोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, जनपद की 80 योजनाओं में से 68 को 'ए' श्रेणी मिली है। वहीं, 7 योजनाओं को 'बी' श्रेणी, 3 को 'सी' श्रेणी और 2 योजनाओं को 'डी' श्रेणी प्राप्त हुई है।

हरबंश मोहाल में साइकिल सवार को ट्रक ने रौंदा

कानपुर। कानपुर के हरबंश मोहाल थानाक्षेत्र में आइसक्रीम का ठेला खड़ा कर लौट रहे साइकिल सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने बुधवार देर रात रौंद दिया। हादसे के बाद राहगीरों ने ट्रक का पीछा किया, जिस पर चालक कूद कर फरार हो गया। मौके पर परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर पुलिस ने घर भेज दिया। गुरुवार सुबह थाने पहुंचे परिजनों ने पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंची मृतका की पत्नी चीख–चीख कर बोली कि थानेवाले बिक गए, रात में पुलिसवाले पैर छूकर बोल रहे थे कि सुबह सुनवाई होगी।

औरैया में पर्यटन विकास को 278 लाख स्वीकृत

औरैया। औरैया जनपद में पर्यटन विकास परियोजनाओं के लिए 278 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। राज्य सेक्टर के तहत पर्यटन विभाग ने कानपुर मंडल के औरैया जनपद की तीन विधानसभाओं के लिए कुल 370.53 लाख रुपये के सापेक्ष यह राशि जारी की है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि दिबियापुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर सेहुद धाम के विकास के लिए 105 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

सैनिक पब्लिक स्कूल ओबरी का शानदार परिणाम: मेहनत

अनुशासन और मार्गदर्शन की बनी मिसाल

तमसा संकेत, संवाददाता

(बाराबंकी)। सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 के घोषित परिणाम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यदि सही दिशा, अनुशासन और निरंतर मेहनत का संगम हो तो सफलता तय है। सैनिक पब्लिक स्कूल, ओबरी के विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ अपने अभिभावकों का मान बढ़ाया, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गए। इस बार का परिणाम सिर्फ अंकों का आंकड़ा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सालभर की मेहनत, शिक्षकों की समर्पित तैयारी और विद्यालय के अनुशासित माहौल का प्रतिबिंब बनकर सामने आया। स्कूल की छात्रा गरिमा यादव ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं महक रावत ने 93.6 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान

हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रगति तिवारी और अंश शुक्ला ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में अस्तित्व श्याम तिवारी (92.0%) और सावी जायसवाल (90.6%) ने भी शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय की उपलब्धियों में अहम योगदान दिया। खास बात यह रही कि इस बार बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जो विद्यालय की गुणवत्ता और शैक्षणिक वातावरण को दर्शाता है। विद्यालय के शिक्षकों का कहना है।

एंबुलेंस में आक्सीजन खत्म होने से युवक की मौत

रामपुर से मुरादाबाद जाते समय ईंधन भी खत्म हुआ, डॉक्टर्स ने रेफर किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। रामपुर में एंबुलेंस में पेट्रोल और आक्सीजन के खत्म होने की वजह से एक युवक की जान चली गई। दरअसल, युवक ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। वहां से परिजन उसे मुरादाबाद लेकर जा रहे थे। युवक आक्सीजन सपोर्ट पर था। परिजन के अनुसार, एंबुलेंस में आक्सीजन खत्म होने की वजह से रास्ते में ही युवक की हालत बिगड़ने लगी। थोड़ी ही देर में एंबुलेंस का ईंधन भी खत्म हो गया। डीजल खत्म होने से एंबुलेंस रास्ते में ही रूक गई। कुछ ही देर में युवक ने दम तोड़ दी। बुधवार देर रात की यह घटना थाना शहजादनगर के अहमदनगर जिबाई गांव की है। युवक रात में घर से खेत में जा रहा था, उसी समय तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। अहमदनगर जिबाई गांव के

रहने वाले कुलदीप सिंह (38) किसानी करते थे। वे चार भाई थे। भाइयों में बंटवारा हो चुका था। परिवार में उनकी पत्नी, 8 साल का बेटा और 11 साल की बेटी है। बुधवार को रात 10 बजे कुलदीप बाइक से अपने खेत पर जा रहे थे। इस समय गेहूं की कटाई चल रही है। वही देखने कुलदीप खेत जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही गांव के ही एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे और कुलदीप को घायल अवस्था में लेकर जिला अस्पताल गए। इमरजेंसी में प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उन्हें मेरठ रेफर कर दिया।

गुस्साए परिजन ने एंबुलेंस में तोड़फोड़ की

मौत के बाद गुस्साए परिजन ने एंबुलेंस में तोड़फोड़ की। जबकि ड्राइवर मौका पाकर वहां से भाग गया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मुरादाबाद के मझोला थाने में एंबुलेंस को सीज कर दिया गया है।

एंबुलेंस के मानक क्या होते हैं?

एम्बुलेंस के संचालन के लिए तय मानकों का पालन करना अनिवार्य होता है। इसमें वाहन का वैध रजिस्ट्रेशन और परमिट, प्रशिक्षित ड्राइवर व पैरामेडिकल स्टाफ की मौजूदगी, ऑक्सीजन सिलेंडर का हमेशा भरा और चालू हालत में होना, स्ट्रेचर, फर्स्ट एड किट और बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) उपकरण उपलब्ध होना शामिल है। साथ ही एम्बुलेंस 24×7 सेवा के लिए तैयार रहे और उसकी फिटनेस, ईंधन व तकनीकी स्थिति दुरुस्त होनी चाहिए।

परिजनों ने कुलदीप की मौत की सूचना पुलिस को दी और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई हो सकती है

गंभीर मरीजों के लिए एडवांस लाइफ सपोर्ट (ALS) सुविधा भी जरूरी मानी जाती है। इन मानकों में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें IPC की धारा 304A (लापरवाही से मौत), 279/336/337/338 (जीवन को खतरे में डालना) के तहत केस दर्ज होना, एम्बुलेंस का परमिट निलंबित या रद्द होना, चालक व ऑपरेटर की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाया जाना शामिल है।ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई हो सकती है

सड़क को 6 लेन किया जा रहा, सांसद चंद्रशेखर ने सीएम योगी को लिखा था पत्र

पीडब्लूडी तोड़ रहा 100 मकान

> 10 सेकेंड में जेसीबी ने ढहा दी स्टेशनी की दुकान। देखते रह गए दुकान के मालिक।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के लहरतारा-बौलिया इलाके में PWD ने गुरुवार सुबह से ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है। साल 2025 से रुकी 6 लेन सड़क बनाने में रोड़ा बने 100 मकानों को पीडब्ल्यूडी ने साल भर पहले नोटिस दी थी। कहा था कि यह जंगल भूमि है। आज इस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई है। मकान एक-एक करके तोड़े जा रहे हैं। हमने कल ही मोहलता मांगी थी की इसमें स्टेशनरी का सामान

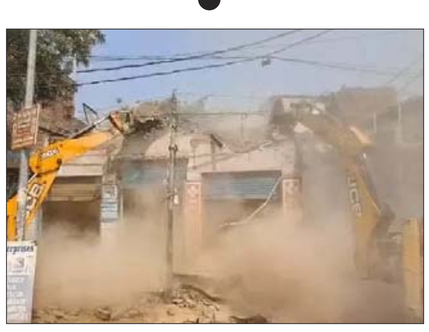

हटवा लेंगे हमें दो दिन की मोहलत दे दीजिये। अभी भी अधिकारी आये तो उन्होंने सिर्फ शटर तोड़ा था। पर दुसरे अधिकारी ने इसे डेढ़ मीटर तोड़ने को कहा लेकिन जेसीबी ने जब फ्रंट का गाटर खींचा तो पूरी दुकान बैठ गयी जिससे हमारा लाखों रुपए के सामना का नुकसान हुआ है। इस दौरान बौलिया तिराहे पर स्थित पंप हाउस के ना तोड़े जाने से स्थानीय लोग नाराज दिखे और मौजूद अधिकारियों से धक्का-मुक्की भी की। मौके पर पहुंची पुलिस और तहसीलदार ने स्थिति को संभाला और कार्य को सम्पादित कराया। भारी फोर्स के साथ पहुंचे अधिकारी एक-एक करके मकानों को तोड़ रहे हैं। मौके पर पहुंचे पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता केके सिंह ने बताया - एक साल से हमारा यह काम रुका हुआ था। सभी को नोटिस दी जा चुकी है। इसमें कुल 100 मकानों को नोटिस दी गई है। सभी अवैध मकान हैं और अतिक्रमण है। उन्हें ही आज हटाया जा रहा है। दोनों लें मिलकर कुल 41 मकानों पर आज कार्रवाई की जा रही है। सभी मकान को आज चिह्नांकन के अनुसार ध्वस्त कर लिया जाएगा। वाराणसी की सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है। इसी फेहरिस्त में मोहनसराय बाईपास से मुगलसराय तक 31 Km लंबी 6 लेन की रोड भी शामिल है। मोहनसराय बाईपास से बौलिया तिराहा तक यह रोड बन भी चुकी है। इसके बाद ये रोड वाराणसी शहर के अंदर दाखिल हो रही है। यहां कैंट स्टेशन, राजघाट, पड़ाव चौराहा होते हुए सड़क मुगलसराय तक जानी है। इस सड़क को बनाने के लिए स्टेट गर्वमेंट ने 197.40 करोड़ दिए हैं। बौलिया तिराहा के आगे रोड का कंस्ट्रक्शन साल 2025 के जनवरी माह से रुका हुआ है। यहां सड़क आबादी के बीच से गुजर रही है, इसलिए सर्वे करने के बाद PWD ने 100 घरों पर लाल निशान लगाकर खुद ही अपने घर के कंस्ट्रक्शन तोड़ने का नोटिस लगा दिए हैं। यहां अनाउंसमेंट जुलाई 2025 से कराए जा रहे हैं। जिसके बाद नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण ने सीएम योगी आदित्यनाथ को 29 जुलाई को एक पत्र लिखकर इस कार्रवाई पर रोक की मांग की थी।

स्टेशनरी दुकानदार ने मांगी मोहलत पर नहीं माने अधिकारी

बौलिया तिराहे पर पिछले 50 साल से स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले के भाई सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया - कई बार यहां नापी हुई लेकिन कल शाम में फाइनल किया गया कि हमारी दुकान को सिर्फ डेढ़ मीटर तोड़ना था।

> स्थानीय लोगों ने बताया - बुधवार की शाम हम लोगों को बताया गया था कि अपने सामान को खाली कर लें, क्योंकि ज्यादातर घरों के बाहर दुकानें हैं। लेकिन अचानक सुबह 8 बजे भारी पुलिस फोर्स और अधिकारी पहुंचे और कार्रवाई शुरू कर दी।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक सम्पन्न

बहराइच। जिला प्रशासन एवं मीडिया के मध्य बेहतर समन्वय व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, पत्रकार सदस्य संजय मिश्रा, कुंवर दिवाकर सिंह, जय चन्द्र सोनी, हनुमान प्रसाद गुप्ता, विशेष आमंत्रित सदस्य अजय शर्मा तथा संयोजक सदस्य जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन करते हुए जिला सूचना अधिकारी ने बताया कि पत्रकार उत्पीड़न से संबंधित कोई भी प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है, इस दौरान पत्रकारों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित एक पत्र भी सौंपा, जिस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि मीडिया हितों को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेहाल : गोरखपुर में दरियाई घोड़े पानी से निकल नहीं रहे, छात्र बोले-प्रिंसिपल मैम छुट्टी कर दीजिए

यूपी में भीषण गर्मी, काशी में घाटों पर सन्नाटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/कानपुर/वाराणसी। यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 44C के पार पहुंच गया। यही नहीं, 16 जिलों में पारा 40 डिग्री या उससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार दोपहर सड़कों पर सन्नाटा दिखा। स्कूलों में छुट्टी हुई तो पेरेंट्स बच्चों को छाता लगाकर या पूरा शरीर कपड़े से ढंक कर ले गए। धूप से बेहाल लोग पेड़ों की छांव में बैठे रहे। ठंडे पेय जैसे- गन्ने-बेल के जूस, लस्सी, शिकंजी, सत्तू के ठेलों पर भीड़ देखने को मिल रही है। वाराणसी में घाटों पर सन्नाटा दिखा। सभी नावें खड़ी हैं। नाविकों ने कहा- इन दिनों सुबह 10 बजे से ही असहनीय धूप हो जा रही है। पर्यटक आ नहीं रहे हैं। इसलिए सुबह 10

बजे से शाम 4 बजे तक नावें नहीं चल पा रहीं। वृंदावन में रंगनाथ मंदिर के रास्ते पर सन्नाटा दिखा। दो-चार श्रद्धालु दिखे तो वे ठंडे पानी की तलाश में भटक रहे थे। यहां जगह-जगह ठंडे पानी के लिए RO लगाए गए हैं। प्रयागराज में दोपहर में स्कूल की छुट्टी हुई तो बच्चे बेहाल दिखे। पेरेंट्स उन्हें गर्मी से बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। कोई बच्चों को टोपी और छाता दे रहा, तो कोई पानी की बोतल, ग्लूकोज और फुल स्लीव कपड़ों के साथ स्कूल भेज रहा। कई पेरेंट्स बच्चे को दुपट्टे में लपेट कर ले गए।

छात्र की रिक्वेस्ट- प्रिंसिपल मैम छुट्टी कर दीजिए

प्रयागराज में 9th के छात्र स्वतंत्र शुक्ला ने कहा- धूप बहुत लग रही है। अपनी प्रिंसिपल मैम और डीएम सर से यही रिक्वेस्ट करूंगा कि स्कूल की टाइमिंग बदली जाए या स्कूल अब बंद कर दिया जाए। प्रयागराज के 9TH के छात्र श्रेयस यादव ने कहा- धूप बहुत है। परेशान हो गया हूं। छुट्टी जल्दी हो जानी चाहिए। हमारे स्कूल में वाटर कूलर नहीं चल रहा, उसे ठीक कराना चाहिए।

> *लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- अगले 10 दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। पछुआ (पश्चिमी) हवा अब कमजोर पड़ रही है। इससे अगले 4-5 दिनों में पारा 3 से 6°C तक उछलेगा। आने वाले दिनों में अधिकांश जिलों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाएगा। गर्मी का असर और तेज होगा। लू चलने की भी संभावना है।*

दरियाई घोड़े पानी भरे तालाब से निकल ही नहीं

बढ़ती गर्मी का असर अब जानवरों पर साफ दिखाई देने लगा है। गोरखपुर चिड़ियाघर में दरियाई घोड़े पानी भरे तालाब से निकल ही नहीं रहे। गर्मी में ठंडे पानी में आनंद ले रहे हैं। कानपुर चिड़ियाघर में गैंडे के लिए कीचड़ का तालाब बनाया गया है। हिरन-शेरों पर लिए पानी की फुहारें डाली जा रहीं। विशेषज्ञ डॉ. नासिर ने बताया कि गैंडा कीचड़ में लोटकर खुद को ठंडा रखता है। गीली मिट्टी उसके शरीर पर चिपक जाती है, जिससे गैंडों को गर्मी से राहत मिलती है।

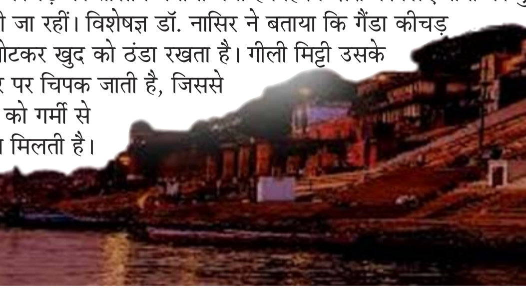

ग्राम पंचायत कुर्की महमूदपुर विकासखंड अकबरपुर अंबेडकर नगर

पत्रांक-मेमों पंचायत/निविदा/2026-27 | **दिनांक-16.04.2026**

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत कुर्की महमूदपुर विकास खण्ड अकबरपुर में राज्य वित्त/चौदहवां वित्त आयोग/पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा के आवंटित धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के निम्नलिखित परियोजनाओ के निर्माण कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु फर्म के लेटर पैड पर मुहर बन्द निविदाये आमंत्रित की जाती है निविदाये दिनांक 17-04-26 से 22-04-26 तक प्रातः 10 बजे से अपराहन 2 बजे तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा बाक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदाये दिनांक 23-04-2026 को सायं 4 बजे उपस्थित निविदा दाताओ के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा के नियम व शर्ते पत्र में अंकित है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री
1.	ग्राम पंचायत कुर्की महमदपुर के पंचायत भवन का वाह्य सौन्द्रीकरण कार्य	2,60,748.00	ईंट, सरिया, मोरंग, बालू, गिट्टी

नियम व शर्तों का विवरण-

1. जिस आपूर्ति कर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु सूचित किया जायेगा।
2. आपूर्ति कर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं करने पर आपूर्ति आदेश निरस्त करते हुए वरियता क्रम में अन्य फर्मों को आपूर्ति आदेश देने के लिए ग्राम पंचायत स्वतंत्र होगी।
3. फर्म जी०एस०टी० पंजीकृत हो व आयकर दाखिल करने की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।
4. जो दरें प्रस्तुत की जाय, वह दरें जी०एस०टी० तथा ढुलाई, लदाई, उतरवाई तथा अन्य करें जोड़ कर प्रस्तुत की जाये।
5. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेंगी।
6. प्रस्तुत दरें PWD द्वारा स्वीकृत दरो से अधिक नही होनी चाहिए।
7. स्वीकृत आपूर्ति कर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुड़वत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त ही किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्ति कर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा।
8. बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को निहित होगा।

मानसिंह
ग्राम प्रधान

निर्दोष कुमार
ग्राम पंचायत अधिकारी

500 झुग्गियों में लगी भीषण आग

एक-एक कर फटे सिलिंडर, छह बच्चों के लापता होने की आशंका

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जल उठीं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग में करीब छह बच्चों के लापता होने की बात सामने आ रही है। हालांकि किसी अधिकारी ने अभी यह पुष्टि नहीं की है। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय

पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियां लगाई गई हैं। अग्निशमन अभियान में कई घंटे लगने की संभावना है क्योंकि आग बड़े क्षेत्र में फैली है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि यह जानकारी सामने आ रहा है कि कबाड़ के गोदाम में आग लगी थी, जिसके बाद यह झुग्गियों में फैलती चली गई। पुलिस और दमकल की टीमों ने युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। आग बुझाने के लिए लगातार पानी की बौछारें की जा रही हैं।

दमकल और पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के लिए एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियों और वाटर टेंडरों को लगाया गया। दमकल कर्मियों ने युद्धस्तर पर अभियान चलाते हुए लगातार पानी की बौछारें कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। राहत और बचाव कार्य में स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया।

> प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग की शुरुआत एक कबाड़ के गोदाम से हुई, जो बाद में झुग्गियों में फैलती चली गई। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

नहीं मिल रहे बच्चे, परिवार परेशान

कनवानी गांव में लगी आग के दौरान बड़ी संख्या में निवासी अपने काम पर गए हुए थे। इस दौरान कई परिवारों के छोटे बच्चे झुग्गियों में ही मौजूद थे। अचानक फैली आग की वजह से लोगों को भागने का या सामान व परिवार वालों को बचाने का बहुत कम समय मिला। वहीं कई परिवार वाले घटनास्थल के आसपास रोते बिलखते नजर आए। लोगों ने बताया कि उनके बच्चे आग लगने के बाद से लापता हैं। डीसीपी सिटी धवल जयसवाल ने बताया कि आग को बुझाया जा चुका है।

एमआईईटी के छात्रों का राष्ट्रीय मंच पर परचम

इंडिया डिज़ाइन वीक 2026 के ग्रैंड फिनाले में चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया डिज़ाइन वीक 2026 के ग्रैंड फिनाले में स्थान बनाया है। आईसीटी अकादमी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का फिनाले 21 एवं 22 अप्रैल को नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा। ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित छात्रों में नमित कंबोज, विशाल त्यागी, आदित्य शर्मा, परमजीत सहारावत, निर्भय

लोहिया एवं रुद्र प्रताप सिंह शामिल हैं। इन छात्रों ने अपने अभिनव प्रोजेक्ट्स के माध्यम से न केवल अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया, बल्कि सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक रूप में लागू कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बनाई। संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल और गौरव अग्रवाल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनती हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान उद्योगोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) विपिन कुमार शर्मा ने इसे छात्रों की मेहनत, प्रभावी मार्गदर्शन और सुनियोजित प्रशिक्षण का परिणाम बताया। इस उपलब्धि में शैलेंद्र भाटी एवं डॉ. राजेश कुमार मौर्य के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह सफलता छात्रों की प्रतिभा और संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का सशक्त प्रमाण है।

फास्ट न्यूज

सपा सेंटर की युवती की संदिग्ध मौत

झांसी। झांसी में सपा सेंटर में काम करने वाली एक युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। बॉयफ्रेंड शव को दफनाने के लिए कब्रिस्तान लेकर पहुंच गया। लेकिन वह मृतका की आईडी प्रूफ नहीं दे पाया, इसलिए शव को गेट पर ही रोक दिया गया। तब तक दिल्ली से उसका पति, ननद समेत अन्य परिजन भी आ गए। शव देखकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। पति ने मौत पर शक जाहिर करते हुए पोस्टमार्टम कराने की बात कही और पुलिस को बुला लिया।

प्रेम विवाह की जिद में टावर पर चढ़ा युवक

जालौन। जालौन के कुठौंद थाना क्षेत्र में एक युवक प्रेम विवाह की जिद में गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार, युवक की पहचान 21 वर्षीय शेर सिंह पुत्र दिनेश कुमार निवासी ग्राम अटरा कलार थाना सिरसा कलार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शेर सिंह का गांव की ही युवती काजल पुत्री रामदास दोहरे से फोन पर संपर्क हुआ था, जिसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। युवक उसी युवती से शादी करने की जिद पर अड़ा हुआ था।

गर्मी में गैंडा के लिए बनाया कीचड़ का तालाब

कानपुर। कानपुर में बढ़ती गर्मी का असर अब चिड़ियाघर के बेजुबान जानवरों पर भी दिखने लगा है। भीषण तपिश से राहत दिलाने के लिए कानपुर चिड़ियाघर प्रशासन ने खास इंतजाम किए हैं। गैंडे के लिए कीचड़ का तालाब तैयार किया गया है, जबकि हिरन और शेरों के बाड़ों में पानी की फुहारों के जरिए ठंडक पहुंचाई जा रही है। भारी-भरकम शरीर वाले राइनो को गर्मी सबसे ज्यादा प्रभावित करती है।

बर्खास्त सिपाही ने बुजुर्ग को जिंदा जलाया

हाथरस में खुद को मृत घोषित करने के लिए रची साजिश, हत्या के मामले में फरार चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। हाथरस में जेल जाने से बचने के लिए हत्यारोपी बर्खास्त सिपाही ने अपनी मौत की झूठी कहानी रच दी। अपना आधार कार्ड, मोबाइल सहित अन्य डॉक्यूमेंट एक व्यक्ति की जेब में रखकर उसे जिंदा जला कर मार डाला। हालांकि, जिंदा जलाते वक्त आरोपी सिपाही भी बुरी तरह झुलस गया। दो दिन तक चोरी-छिपे हाथरस जिला अस्पताल में अपना इलाज कराता रहा लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उधर, लाश मिलने और अधजले आधार कार्ड को देखते हुए पहले तो पुलिस ने सिपाही को मृत मान लिया। लेकिन रेलवे स्टेशन पर दिखने वाले एक भिखारी के अचानक गायब होने पर शक हुआ। पुलिस ने सिपाही के गांव में पता लगाया। इसी दौरान जिला अस्पताल

12 मार्च को हाथरस रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से मिला था लावारिस भिखारी का जला हुआ शव।

में सिपाही के नाम के गंभीर रूप से झुलसे हुए व्यक्ति के भर्ती होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस अलर्ट हुई। जांच-पड़ताल की तो पता चला कि सिपाही जिंदा है और मरने वाला रेलवे स्टेशन के आसपास एरिया में दिखने वाला भिखारी है। पुलिस के अनुसार, सिपाही ने 12 मार्च को वारदात को अंजाम दिया था। उसकी साजिश के बारे में पता चलने के बाद पुलिस उसके ठीक होने का इंतजार कर रही थी। सैफई मेडिकल कॉलेज से डिस्चार्ज होने के बाद उसे बुधवार को अरेस्ट किया गया। आरोपी सिपाही की पहचान मैनपुरी के बघौनी गांव के रामवीर सिंह (55) के रूप में हुई है। उसे 2013 में यूपी पुलिस से बर्खास्त किया गया था। उस पर ड्यूटी के दौरान हत्या समेत 13 मुकदमे दर्ज थे। जीआरपी प्रभारी सुयश सिंह ने बताया- रामवीर सिंह यूपी पुलिस का सिपाही था लेकिन आपराधिक प्रवृत्ति की वजह से उसे बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्तगी के बाद वह फरार चल रहा था। पुलिस को उसकी तलाश थी। गिरफ्तारी और जेल से बचने के लिए उसने साजिश रची। वह एक ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ रहा था जिसका कोई जानने वाला न हो। हाथरस प्लेटफार्म पर उसने अपनी ही कदकाठी के एक भिखारी को देखा।

प्लेटफार्म के भिखारी के गायब होने पर पुलिस को हुआ शक

उधर, पुलिस हाथरस प्लेटफार्म के पास मिली लावारिस जली हुई लाश को रामवीर सिंह मानकर आगे की कार्रवाई करने लगी। हालांकि, उसी दौरान जीआरपी पुलिस को उस समय शक हुआ जब प्लेटफार्म पर दिखने वाला एक भिखारी भी लापता हो गया। स्थानीय लोगों की मानें तो वह भिखारी अमूमन प्लेटफार्म छोड़कर कहीं जाता नहीं था।

हत्या करने के दौरान रामवीर सिंह खुद ही गंभीर रूप से जल गया।

बर्खास्त सिपाही के गांव में खुला राज, अरेस्ट के लिए एक महीने इंतजार

पुलिस ने बर्खास्त सिपाही के गांव में भी पता लगाया तो बात पता चली कि मेडिकल कॉलेज में परिवार का कोई भर्ती है, उसी की तीमारदारी में परिजन लगे हुए हैं। पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया तो स्पष्ट हो गया कि बर्खास्त सिपाही रामवीर सिंह जीवित है और मेडिकल कॉलेज में झुलसने की वजह से भर्ती है। पुलिस की जांच में यह भी स्पष्ट हो गया कि प्लेटफार्म पर मिली लाश, भिखारी की है। इसके बाद उसका पुलिसवालों ने अंतिम संस्कार करा दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने गौ-सेवा कर दिया पशु संरक्षण का संदेश

जिला पंचायत अध्यक्ष बछड़े को दुलार कर बोले... 'गौ-सेवा ही परम धर्म'

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ब्रज की पावन धरा पर गौ-सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौशाला में उन्होंने गौ-वंश की सेवा कर आमजन को पशु संरक्षण के प्रति जागरूक किया। गौशाला भ्रमण के दौरान विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी एक अलग ही भावनात्मक रूप में नजर आए। उन्होंने गौशाला में जन्मे एक नन्हे बछड़े को अपनी गोद में उठाकर काफी देर तक दुलार किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी गौ-माताओं को अपने हाथों से गुड़ और चना खिलाया। अपनी माटी और संस्कृति से गहरा जुड़ाव रखने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष के बारे में यह सर्वविदित है कि

उनकी दैनिक दिनचर्या की शुरुआत ही गौ-सेवा से होती है। इस अवसर पर उन्होंने कहा "हमारी संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और माना जाता है कि इसमें 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गौ-सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का प्रतीक है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से गाय की सेवा करता है, उसे न केवल पुण्य मिलता है बल्कि मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।" गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गौशाला के प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई

प्रतियोगिता में विजेता रहे छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। जनपद के भावनपुर क्षेत्र स्थित लडपुरा गांव में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, लडपुरा के तत्वावधान में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा, समानता और जागरूकता का संदेश प्रसारित करना रहा। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें सामान्य ज्ञान, नृत्य, कविता, गायन एवं कला प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं। इन प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के अनेक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा भी की गई। सब जूनियर वर्ग में गार्गी ने प्रथम, कृष्णा ने द्वितीय तथा ईशानी, पलक और अक्षय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में सिद्धार्थ गौतम प्रथम, रवि कुमार द्वितीय और परी गौतम तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सीनियर वर्ग में मुस्कान ने प्रथम, संध्या ने द्वितीय और सादिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंबेडकर के विचारों पर भी प्रकाश डाला गया और उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया गया।

कानपुर में जागरण से लौट रहे थे 4 लोग, झपकी आने से हादसा, बच्ची गंभीर

डिवाइडर से टकराई बाइक, फूफा-भतीजे सहित 3 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बिल्हौर। कानपुर के शिवराजपुर क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में फूफा-भतीजे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। चारों लोग एक ही बाइक पर जागरण से लौट रहे थे, तभी झपकी आने से बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दुबियाना अंडरपास के पास हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची हाईवे एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 45 वर्षीय विनोद निषाद, 52 वर्षीय रामनारा-

यण निषाद और 11 वर्षीय पीयूष (भतीजा) को मृत घोषित कर दिया। वहीं 10 वर्षीय विनोद की बेटी दीक्षा गंभीर रूप से घायल है, जिसका हैलट अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार बिठूर के बाकरगंज निवासी विनोद निषाद अपने बहनोई सुरेश के यहां बिल्हौर के कल्लू पुरवा गांव में तिलक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उनके साथ पड़ोसी रामनारायण निषाद भी थे।

> सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और परिजन बदहवास हैं।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक विनोद निषाद खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी मंजू और चार बेटियां हैं। उनकी मौत के बाद परिवार पर गहरा संकट आ गया है। वहीं रामनारायण निषाद के परिवार में पत्नी, एक बेटा और पांच बेटियां हैं। इस हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और परिजन बदहवास हैं।

झपकी बनी हादसे की वजह

शिवराजपुर क्षेत्र में लुधियाना गांव के सामने ओवरब्रिज पर बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि चारों उछलकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों के मुताबिक कार्यक्रम में रातभर जागरण हुआ था, जिससे चालक को झपकी आने की आशंका है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'ईरान ने डील नहीं ...

और निर्देश मिलते ही कार्रवाई शुरू की जा सकती है। हेगसेथ ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेगा। उन्होंने साफ किया कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर लेता। वहीं अमेरिकी जनरल डैन केन ने बताया कि अब तक 13 जहाज नाकाबंदी के चलते वापस लौट चुके हैं। इनमें ज्यादातर जहाज नाकाबंदी सीमा के अंदर पहुंचकर लौटे, जबकि एक पहले ही रास्ता बदल गया। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डील के लिए सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है, हालांकि अमेरिका ने अभी औपचारिक सहमति नहीं दी है। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग जारी रखने पर भी सहमति जताई। इजराइल ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत में समझौता नहीं किया, तो उस पर पहले से भी ज्यादा दर्दनाक हमले किए जाएंगे। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि ईरान के सामने दो रास्ते हैं, समझौते के जरिए आगे बढ़ना या अलग-थलग पड़ने और तबाही की ओर जाना। उन्होंने संकेत दिया कि जिन ठिकानों को अब तक निशाना नहीं बनाया गया है, वे आगे की कार्रवाई में ज्यादा गंभीर असर झेल सकते हैं। काट्ज ने कहा कि आगे क्या होगा, यह पूरी तरह ईरान के फैसले पर निर्भर करेगा और उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी उसी की होगी। हिजबुल्लाह के सांसद हुसैन हज्ज हसन ने लेबनान सरकार के इजराइल के साथ सीधे बातचीत के फैसले को गंभीर गलती बताया है। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने की अपील की। हज्ज हसन ने कहा कि इजराइल जैसे दुश्मन के साथ सीधी बातचीत देश के हित में नहीं है। उन्होंने लेबनान सरकार पर इजराइल और अमेरिका के सामने रियायतें देने का आरोप लगाया।

बंगाल में बनेगा यूपी ...

अपराधियों व माफियाओं का इलाज केवल भाजपा की डबल इंजन की सरकार के पास है। योगी ने पश्चिम बर्द्धमान जिले के आसनसोल के पास बाराबनी और बीरभूम जिले के रामपुरहाट व बोलपुर में तीन जनसभाओं को संबोधित किया। योगी ने कहा कि जो बंगाल कभी शिक्षा व कल-कारखानों का केंद्र और भारत की अर्थव्यवस्था का लीडर था, वह आज माफिया की चपेट में है। बंगाल बालू माफिया, कोयला माफिया, लैंड माफिया, मवेशी माफिया और सत्ता के संरक्षण में पल रहे माफियाओं के चंगुल में है। टीएमसी ने बंगाल को क्राइम कैपिटल में बदल दिया है। टीएमसी आतंक, माफिया व भ्रष्टाचार की पर्याय बन चुकी है। वो टीएमसी अब नहीं चाहिए। इस बार टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा गारंटी देती है कि बंगाल में सरकार बनने पर दंगा नहीं होगा और न कर्फ्यू लगेगा। गोमाता को कटने नहीं देंगे और हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस, फिर वामपंथियों और 15 वर्ष से टीएमसी ने बंगाल के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया है। बंगाल कभी भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में देश को दिशा देता था, लेकिन टीएमसी ने इसे क्राइम कैपिटल बना दिया है। इन लोगों ने यहां पर आम जनमानस के सामने, नौजवानों के सामने, बेटी-बहनों के सामने भय का माहौल पैदा किया है। इनके कारण माफिया पैदा हुए हैं। आजादी के बाद बंगाल विकास के पथ पर आगे चल रहा था। देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था। बंगाल की तूती बोलती थी। आज यहां माफिया हावी है, नौजवान के लिए नौकरी-रोजगार गायब है। किसानों को उपज का दाम नहीं मिल पाता। यूपी में आलू का दाम 15-16 रुपये किलो और बंगाल में मात्र एक-डेढ़ रुपये मिल रहा है। माफिया प्रवृत्ति को भाजपा समाप्त करेगी। योगी ने कहा कि नौ साल पहले बंगाल से भी बुरी स्थिति उत्तर प्रदेश की थी। वहां हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। गुंडागर्दी-अपराध चरम पर था, माफिया हावी थे। जैसे ममता दीदी को राम नाम व दुर्गा पूजा से चिढ़ है, यूपी में भी ऐसे ही चिढ़ होती थी। टीएमसी की पार्टनर समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोली चलवाईं। जय श्रीराम बोलने पर प्रतिबंध होता था। यूपी में डबल इंजन सरकार आई तो अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का विश्व का सबसे बड़ा मंदिर बनकर खड़ा हो गया है, इसे कांग्रेस, सपा व टीएमसी रोक नहीं पाईं, क्योंकि मोदी हैं तो मुमकिन है। डबल इंजन की रफ्तार का ये लोग मुकाबला नहीं कर पाएंगे। आज उत्तर प्रदेश उपद्रव नहीं उत्सव है। यूपी का अब नक्शा बदल चुका है, वहां कोई सड़क पर नमाज नहीं पढ़ सकता। यूपी में पर्व-त्योहार शांति से मनाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर अब माफिया की हड्डी-पसली ठीक करता है। माफिया की संपत्ति लेकर गरीबों के आवास बनते हैं।

बंगाल-मतदान से ...

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रिब्यूनल पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए, लेकिन एक मजबूत अपील प्रणाली जरूरी है ताकि असली वोटर्स के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अगर बड़ी संख्या में वोटर्स बाहर रह जाते हैं और चुनाव में जीत का अंतर कम होता है, तो नतीजों पर सवाल उठ सकते हैं। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ECI) और राज्य सरकार ट्रिब्यूनल को पूरा सहयोग दें। सुनवाई के दौरान बताया गया कि 19 ट्रिब्यूनल के सामने 34 लाख से ज्यादा अपीलें लंबित हैं। ये ट्रिब्यूनल रिटायर्ड हाईकोर्ट जजों की अगुवाई में बनाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में SIR अभियान का मकसद वोटर लिस्ट से डुप्लिकेट और अयोग्य नाम हटाना बताया जा रहा है। हालांकि इस पर सियासी विवाद तेज है। सत्ताधारी पार्टी ने बड़े पैमाने पर मतदाताओं को बाहर करने का आरोप लगाया है, जबकि ECI इसे निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी बता रहा है। पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे। 8 अप्रैल को सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में TMC का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा था। लेकिन बैठक के बाद डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे।

विपक्ष क्रेडिट ले...

परिसीमन के बाद यह बढ़कर 195 हो जाएंगी। तमिलनाडु की सीटें 39 से बढ़कर 59 होंगी।' अमित शाह ने कहा, सरकार जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती। यह भी झूठ है। जनगणना दो हिस्सों में होती है पहले मकानों को इंगित किया जाता है। फिर रहवासियों से पूछा जाता है। अभी मकानों की कोई जातीय व्यवस्था नहीं है, इसलिए नहीं होती। 850 का आंकड़ा कहां से आया, मैं समझाता हूं। मानों 100 सीटें हैं।

आरसीबी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, कहा- हमारे खिलाड़ियों और टीम का मजाक उड़ाया

सीएसके ने डोसा, इडली, सांभर, चटनी गाने पर नाराजगी जताई

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

IPL 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। CSK ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) से RCB के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

CSK का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक CSK के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। 5 अप्रैल को खेले गए मैच में RCB ने CSK को 43 रन से हराया था। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी RCB ने 250 रन बनाए। यह सीजन का बेस्ट स्कोर है। जवाब में CSK 207 रन ही बना सकी थी। RCB के लिए टिम डेविड ने 25 गेंद में 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 48, फिल सॉल्ट ने 46, विराट कोहली ने 28 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में CSK और RCB के बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे IPL का सदर्न डर्बी कहा गया। हेड टु हेड में CSK का RCB पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

5 अप्रैल को खेले गए मैच में RCB ने CSK को 43 रन से हराया था।

आरसीबी सीएसके को 43 रन से हराया

5 अप्रैल को खेले गए मैच में RCB ने CSK को 43 रन से हराया था। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी RCB ने 250 रन बनाए। यह सीजन का बेस्ट स्कोर है। जवाब में CSK 207 रन ही बना सकी थी। RCB के लिए टिम डेविड ने 25 गेंद में 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 48, फिल सॉल्ट ने 46, विराट कोहली ने 28 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। अभिनंदन सिंह, जैकब डफी और क्रुणाल पंड्या को 2-2 विकेट मिले। भुवी ने IPL में 200 विकेट पूरे कर लिए।

"आरसीबी ने पिछले साल चेन्नई से मुकाबले से पहले अपने विकेटकीपर जितेश शर्मा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे इडली-डोसा वाला गाना गा रहे थे। तब उन्हें सीएसके फैंस ने ट्रोल किया था। हालांकि, इस पर ज्यादा विवाद नहीं हुआ था। इस गाने को संगीतकार गाना अप्पु ने बनाया था।

विनोद कांबली को 'ब्रेन स्ट्रोक' का खतरा

मदद के लिए पूर्व क्रिकेटर दोस्तों ने वॉट्सएप ग्रुप बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के 'विनोद' यानी विनोद कांबली इन दिनों अपनी जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। कभी मैदान पर चौके-छक्के जड़ने वाला यह दिग्गज बल्लेबाज आज चलने-फिरने और याददाश्त खोने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली के दिमाग में एक 'ब्लड क्लॉट' (खून का थक्का) है, जिसकी वजह से उन्हें कभी भी ब्रेन स्ट्रोक आ सकता है। कांबली के करीबी दोस्त मार्कस कूटो ने बताया कि कांबली की मानसिक स्थिति काफी नाजुक है। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं। कूटो के मुताबिक, ₹कांबली ने शराब छोड़ दी है, लेकिन वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें स्मोकिंग नहीं करना है। वे घर के नीचे जाकर राहगीरों या ऑटो वालों से सिगरेट मांग लेते हैं। लोगों को लगता है कि वे 'दिग्गज कांबली' की मदद कर रहे हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि यह उनके दिमाग के लिए कितना खतरनाक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली का इलाज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में चल रहा था, जहां उनकी सेहत में 60% तक सुधार भी हुआ, लेकिन अस्पताल का भारी-भरकम खर्च उठाना मुश्किल हो गया।

रोहित शर्मा पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मुकाबले में रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस (MI) की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टीम के स्टार ओपनर और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा पंजाब किंग्स (PBKS) के खिलाफ गुरुवार को होने वाले अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित की हैमस्ट्रिंग इंजरी उम्मीद से ज्यादा गंभीर हो सकती है, जिसके चलते मैनेजमेंट उन्हें आराम देने वाला है। पंजाब के खिलाफ मैच 16 अप्रैल को मुंबई में ही होना है। रोहित शर्मा को यह चोट रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ मैच के दौरान लगी थी। 241 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए रोहित शानदार लय में दिख रहे थे, लेकिन छठे ओवर में दौड़ते समय उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। दर्द ज्यादा होने के कारण उन्हें 13 गेंदों पर 19 रन बनाकर

'रिटायर्ड हर्ट' होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उनके जाने के बाद मुंबई की बैटिंग बिखर गई और टीम को सीजन में तीसरी हार झेलनी पड़ी। अगर रोहित गुरुवार को पंजाब के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरते हैं, तो उनकी जगह क्विंटन डी कॉक को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। ऐसी स्थिति में रायन रिकलटन के साथ डी कॉक पारी की शुरुआत कर सकते हैं। अगर डी कॉक और रिकेल्टन ने ओपनिंग की तो 4 विदेशी को प्लेयर्स को खिलाने में परेशानी आ सकती है। डी कॉक के अलावा टीम नमन धीर और सूर्यकुमार यादव से भी ओपनिंग करा सकती है।

पहली भारतीय महिला बनी, अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से भिड़ंत

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने FIDE विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले वैशाली रमेशबाबू और कजाकिस्तान की

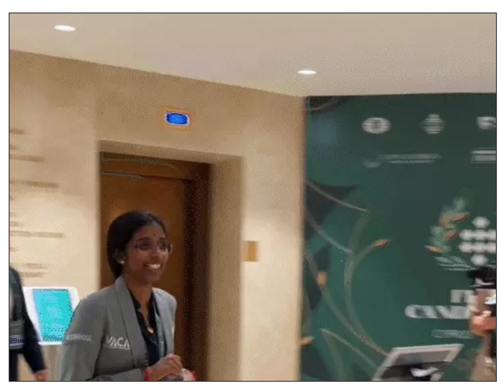

बिबिसारा असौबायेवा 7.5 अंको के साथ बराबरी पर थीं। आखिरी मुकाबले में कजाकिस्तानी खिलाड़ी को भारत की दिव्या देशमुख ने ड्रॉ पर रोक दिया। इसका फायदा वैशाली को मिला, जिससे उन्हें बढ़त हासिल हुई और वे चैंपियन बन गईं। वैशाली टूर्नामेंट में सबसे कम रेटिंग वाली खिलाड़ी थीं। पहले चार मुकाबले ड्रॉ रहे और पांचवें में हार मिली। इसके बाद उन्होंने लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए वापसी की और खिताब जीत लिया। पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है।

10 साल बाद कोई गैर चीनी खिलाड़ी फाइनल में

साल 2016 से विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप पूरी तरह से चीनी खिलाड़ियों के कब्जे में रही है। वैशाली पिछले एक दशक में पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जो चीन के इस दबदबे को चुनौती देंगी। खेल विशेषज्ञ अब वैशाली की तुलना गुकेश से कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 में चीन के ही डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थी। उम्मीद जताई जा रही है कि 2026 में वैशाली भी जू वेनजुन को हराकर वही कारनामा दोहराएंगी।

ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़

रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके। इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली। करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

मनोरंजन

सैयारा की टीम फिर साथ दिखेगी

अहान पांडे-अनीत पड्डा की अगली रोमांटिक फिल्म का ऐलान

मुबंई, एजेंसी

यश राज फिल्म्स (YRF) की हिट फिल्म 'सैयारा' की टीम एक बार फिर साथ आ गई है। निर्देशक मोहित सूरी, अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक नई इंटेंस रोमांटिक फिल्म में फिर साथ दिखेगी। 'सैयारा' की रिकॉर्ड तोड़ कमाई के बाद इस नई फिल्म से भी दर्शकों को वैसी ही केमिस्ट्री और हिट म्यूजिक की उम्मीद है। यह भी फिल्म यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनाई जाएगी। मेकर्स इसे 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हान पांडे और अनीत पड्डा

की जोड़ी 'सैयारा' के बाद से ही काफी पॉपुलर हो गई है। मेकर्स का मानना है कि इस नई फिल्म में भी दर्शकों को उनकी वही आकर्षक केमिस्ट्री और सहज अभिनय देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक इमोशनल और यादगार सफर की तरह होगी, जिसमें म्यूजिक का बड़ा रोल होगा।

अवनीत ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

एक्ट्रेस ने कहा- उम्र के साथ लुक में नैचुरल बदलाव हुआ है

मुबंई, एजेंसी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में अपने लुक्स को लेकर फैल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि उनके चेहरे में जो बदलाव दिख रहे हैं, वह पूरी तरह उम्र के साथ आने वाला प्राकृतिक बदलाव है। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और लगातार अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर कुछ यूजर्स ने सर्जरी और बोटॉक्स जैसे दावे किए थे, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया। अवनीत ने अपने बयान में यह भी बताया कि उनकी नाक, आंखें और चेहरे के

अन्य फीचर्स पहले जैसे ही हैं। उन्होंने अपने ब्यूटी मोल (तिल) का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी वैसा ही है जैसा बचपन में था, जो इस बात का संकेत है कि उन्होंने किसी तरह का कॉस्मेटिक बदलाव नहीं कराया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो Avneet Kaur हाल ही में Shantanu Maheshwari के साथ फिल्म Love in Vietnam में नजर आई थीं।

फीचर्स में कोई बदलाव नहीं-अवनीत

एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि उनकी नाक, आंखें और बाकी फीचर्स पहले जैसे ही हैं। उन्होंने अपने ब्यूटी मोल (तिल) का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी वैसा ही है, जैसा पहले था, जिससे यह साबित होता है कि उन्होंने कोई सर्जरी नहीं कराई है। अवनीत कौर ने अपनी सुंदरता का श्रेय अपनी मां को देते हुए कहा कि जो कुछ भी उन्हें मिला है, वह पूरी तरह नेचुरल है और इसमें किसी तरह की कृत्रिम प्रक्रिया शामिल नहीं है।

"बचपन और अब की तस्वीरों की तुलना करें"

Pinkvilla को दिए इंटरव्यू में अवनीत ने कहा कि वह ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देतीं, लेकिन अगर लोगों को शक है तो उन्हें उनके बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर इंसान के फीचर्स उम्र के साथ बदलते हैं और यह बिल्कुल सामान्य प्रक्रिया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो Avneet Kaur हाल ही में Shantanu Maheshwari के साथ फिल्म Love in Vietnam में नजर आई थीं।

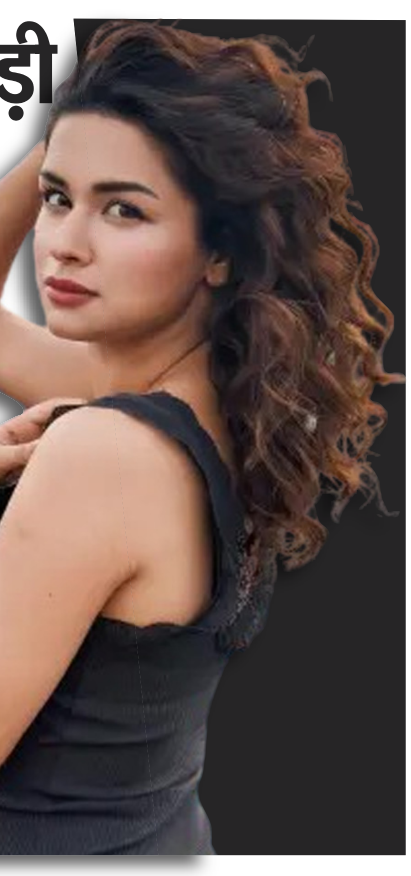

अब जून में सिनेमाघरों में आएगी मूवी, बेहतर विजुअल एक्सपीरियंस के लिए मेकर्स ने लिया फैसला

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज टली

मुबंई, एजेंसी

साउथ एक्टर राम चरण की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पेद्दी' (Peddi) रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। मेकर्स ने बेहतर थिएट्रिकल एक्सपीरियंस और पोस्ट-प्रोडक्शन के काम को पूरा करने के लिए यह फैसला लिया है। अब यह फिल्म इसी साल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पहले फिल्म 27 मार्च को थिएटर्स में रिलीज की जानी थी। फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू ने बताया की रिलीज डेट जल्द ही जारी की जाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके गानों ने इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहे हैं। दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा तैयार किया गया पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन (20 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है। वहीं, दूसरा गाना 'राय राय रा रा' एक हाई-एनर्जी ट्रैक है।

"फिल्म का काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन एक छोटा सा हिस्सा अभी बाकी है। मेकर्स का कहना है कि वे दर्शकों को बेहतरीन अनुभव देना चाहते हैं, इसलिए टेकनीशियन और पोस्ट-प्रोडक्शन टीम को थोड़ा और समय दिया गया है। फिल्म की टीम ने सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर कर फैंस को इस बदलाव की जानकारी दी।

पहलवान के अवतार में दिखेंगे राम चरण

फिल्म में राम चरण का एक बिल्कुल अलग और दमदार अवतार देखने को मिलेगा। हाल ही में 'पेद्दी पहलवान' लुक रिलीज किया गया थाफिल्म के टीजर और पोस्टर्स ने पहले ही फिल्म की दमदार कहानी की झलक दे दी है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं। उनके अलावा फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वृद्धि सिनेमा और मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की नई रिलीज डेट आने के बाद अब फैंस जून का इंतजार कर रहे हैं।

लेंसकार्ट के 'स्टाइल गाइड' पर भड़के अशोक पंडित

कहा- हिजाब ठीक, लेकिन तिलक-बिंदी और कलावा नहीं

मुबंई, एजेंसी

फिल्ममेकर अशोक पंडित लेंसकार्ट के कर्मचारियों के लिए जारी स्टाइल गाइड को लेकर भड़क गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कंपनी के बायकॉट करने की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अशोक पंडित ने स्टाइल गाइड की फोटो शेयर कर लिखा, ₹पीयूष बंसल अपने कर्मचारियों से कहते हैं कि हिजाब ठीक है, लेकिन बिंदी/तिलक/कलावा नहीं। लेंसकार्ट एक ऐसी कंपनी है जो हिंदू बहुल भारत में काम करती है, जहां अधिकतर कर्मचारी और उपभोक्ता हिंदू हैं। आप इस पर क्या कहेंगे? यह लेंसकार्ट के

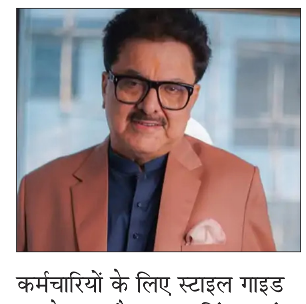

कर्मचारियों के लिए स्टाइल गाइड का पेज 11 है। इसका लिंक यहां देख सकते हैं: scribd.com/document/90118... बता दें कि अशोक पंडित ने स्टाइल गाइड की फोटो शेयर की। उसके मुताबिक, हिजाब पहनने की अनुमति है, लेकिन उसका रंग काला होना चाहिए और वह कंपनी के लोगो को कवर नहीं करना चाहिए। पगड़ी भी केवल काले रंग में ही पहनने की अनुमति दी गई है। वहीं, धार्मिक टीका, तिलक, बिंदी या स्टिकर लगाने की अनुमति नहीं है और मेहंदी लगाने पर भी रोक लगाई गई है। गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रकार की टोपी या हैट पहनने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, स्टोर में ब्लू टॉर्च और स्प्रे बोतल रखना, बाल अस्त-व्यस्त होने पर हेयर नेट का उपयोग करना और टैटू छिपाने के लिए काली फिटेड टी-शर्ट पहनना अनिवार्य बताया गया है। बता दें कि अशोक पंडित एक फिल्ममेकर हैं, साथ ही वो सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार रखते रहते हैं।

परमाणु-स्पेस पर रिसर्च करने वाले 5 वैज्ञानिक गायब

5 की रहस्यमय हालत में मौत, ट्रम्प सरकार बोली- मामले की जांच करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में न्यूक्लियर और स्पेस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों की मौत और गुमशुदगी के मामलों पर अब व्हाइट हाउस सवालों के घेरे में है। 2023 से अब तक ऐसे 10 मामले सामने आए हैं, जिनमें वैज्ञानिक या अधिकारी या तो लापता हो गए या संदिग्ध हालात में मरे। बुधवार को व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में पहली बार प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से इन घटनाओं पर सवाल पूछा गया। जवाब में उन्होंने कहा, "मैंने अभी संबंधित एजेंसियों से इस बारे में बात नहीं की है। मैं ऐसा करूंगी और आपको जवाब दूंगी।" उन्होंने आगे कहा, "अगर यह सही है, तो यह निश्चित तौर पर ऐसी बात है जिसे सरकार जांच के लायक मानेगा।" उनके इस जवाब के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सरकारी

एजेंसियां इस पैटर्न को गंभीरता से नहीं ले रही हैं या फिर इसे छुपाने की कोशिश कर रही हैं। रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम नील मैककैसलैंड का मामला हाल में बहुत चर्चा में रहा। वे 27 फरवरी को अपने न्यू मैक्सिको स्थित घर से गायब हो गए थे। बताया गया कि वे अपने साथ सिर्फ पिस्टल लेकर निकले थे और उनकी पत्नी ने 911 पर कहा कि वे "खुद को छिपाने की कोशिश कर रहे थे।" मोनिका अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जेट प्रोपल्शन लैब से जुड़े एक प्रोजेक्ट में काम कर रही थीं। वहां वह नए मटेरियल और धातुओं पर काम देखने वाली एक टीम की चीफ थी। वह एक खास धातु पर काम कर रही थीं, जिसे मोंडालोय कहा जाता है। यह मटेरियल खास तौर पर रॉकेट इंजन के लिए बताया जाता है। यह भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए काफी अहम हो सकता था।

विलियम मैककैसलैंड- लापता

विलियम अमेरिका के रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल हैं। वह पहले एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेट्री के कमांडर रह चुके हैं। वहां वे अरबों डॉलर के साइंस और टेक्नोलॉजी प्रोग्राम संभालते थे। यह लैब अमेरिकी सेना की सबसे अहम रिसर्च यूनिट्स में से एक है, जहां नई टेक्नोलॉजी, हथियार सिस्टम, स्पेस से जुड़ी टेक्नोलॉजी और एडवांस साइंस पर काम होता है। जिस प्रोजेक्ट में मोनिका रेजा काम कर रही थीं, उससे जुड़ी फंडिंग की देखरेख मैककैसलैंड ने की थी। मैककैसलैंड 27 फरवरी 2026 की सुबह न्यू मैक्सिको में अपने घर के पास आखिरी बार देखे गए थे।

गार्सिया 28 अगस्त 2025 को अपने घर से निकले और फिर नहीं मिले। वे एक सरकारी ठेकेदार के तौर पर काम करते थे। वे कंसास सिटी नेशनल सिक्योरिटी कैंपस से जुड़े थे, जहां परमाणु हथियारों के गैर-न्यूक्लियर पार्ट बनाए जाते हैं। यहां काम करने वाले लोग सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम माने जाते हैं। गार्सिया 28 अगस्त 2025 को न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर में अपने घर से अचानक गायब हो गए। सबसे अजीब बात यह थी कि वह घर से पैदल निकले। अपना फोन, वॉलेट, चाबियां सब पीछे छोड़ गए। उनके पास सिर्फ एक पिस्टल थी।

कई वैज्ञानिकों घरों से निकले, फिर वापस नहीं लौटे

वैज्ञानिकों के लापता या मौत के सभी मामले अमेरिका की हाई-सिक्योरिटी रिसर्च संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं। इनमें लॉस एलामोस नेशनल लैब, NASA का जेट प्रोपल्शन लैब और MIT का प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर शामिल हैं। ये संस्थान न्यूक्लियर हथियार, एडवांस्ड प्रोपल्शन और नई ऊर्जा तकनीकों पर काम करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लापता वैज्ञानिक अपने घरों से अचानक पैदल निकल गए। उन्होंने फोन, वॉलेट और चाबियां तक पीछे छोड़ दीं। यही पैटर्न कई मामलों में देखा गया है, जिससे संदेह और बढ़ा है।

भारत को रूसी तेल पर अमेरिकी छूट नहीं मिलेगी

नई दिल्ली। अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीद पर दी जा रही छूट को रोकने का फैसला किया है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि हम रूसी तेल पर दी गई छूट को रिन्यू नहीं करेंगे। इससे पहले मंगलवार को ही ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने ईरानी तेल पर मिलने वाली छूट पर भी रोक लगा दी थी। व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि हम रूसी और ईरानी तेल पर देशों को मिल रहे जनरल लाइसेंस को रिन्यू नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह छूट उन तेल खेपों के लिए थी जो 11 मार्च से पहले समुद्र में थीं और उनका उपयोग हो चुका है। ऐसे में आगे किसी भी देश को यह राहत नहीं मिलेगी। अमेरिका ने 5 मार्च को भारत को 30 दिन की विशेष छूट दी थी, जिसके बाद भारत यूक्रेन युद्ध के चलते लगे प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीद रहा था।

फास्ट न्यूज

बैंक फ्रॉड मामले में अनिल अंबानी को राहत नहीं

नई दिल्ली। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी की उस याचिका पर राहत देने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जो बैंकों को उनके लोन अकाउंट को 'फ्रॉड' (धोखाधड़ी) घोषित करने की अनुमति देता है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच का आदेश इस मामले में लंबित सिविल सूट के आड़े नहीं आएगा।

जेन-जी के बीच विंटेज वॉच का ट्रेंड, खरीदारी 44% बढ़ी

लंदन। ब्रिटेन के जेन-जी युवा इवान फ्राई का जन्म तब हुआ, जब लोग जेब में नोकिया 1100 फोन रखते थे। उस समय मोबाइल भी स्क्रीन पर समय दिखाने लगे थे। लोगों को चिंता थी कि कहीं मोबाइल पारंपरिक कलाई घड़ियों की जगह न ले लें। पूरी जिंदगी फ्राई ने आईफोन, लैपटॉप, टीवी और यहां तक कि बाथरूम के शीशों पर भी समय देखा। इसके बावजूद उन्होंने 50 साल पुरानी 35 से ज्यादा विंटेज घड़ियां इकट्ठा कीं। इनकी कीमत 90 हजार से 3 लाख रुपए तक है। फ्राई के पास सबसे कीमती घड़ी टैग ह्यूअर कैरेरा है।

भारत की इकोनॉमी में गिरावट, 6वें नंबर पर आया

नई दिल्ली। भारत की इकोनॉमी दुनिया की रैंकिंग में 5वें नंबर से गिरकर 6वें नंबर पर आ गई है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) के अनुसार अब ब्रिटेन (UK) एक बार फिर भारत से आगे निकल गया है। भारत की GDP में ये गिरावट डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से आई है। इस साल की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया 89.91 पर था जो अब 93.38 रुपए पर आ गया है।

लेंसकार्ट के ड्रेस कोड पर विवाद

बिंदी-तिलक पर रोक और हिजाब को मंजूरी देने वाला लेटर वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी

लेंसकार्ट अपने ड्रेस कोड को लेकर विवादों में घिर गई है। सोशल मीडिया पर कंपनी का एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ है। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा पहनने से मना किया गया है, जबकि हिजाब और पगड़ी को शर्तों के साथ मंजूरी दी गई है। विवाद तब बढ़ा जब एक्टिविस्ट शेफाली वैद्य ने X पर इसका स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने कंपनी के फाउंडर से पूछा- पीयूष बंसल, क्या आप स्पष्ट कर सकते हैं कि लेंसकार्ट में हिजाब ठीक है लेकिन बिंदी और कलावा क्यों नहीं? इसके बाद लोगों ने लेंसकार्ट को ट्रोल किया और कंपनी की नीति पर सवाल उठाए। पीयूष बंसल ने वायरल हो रहे डॉक्यूमेंट को पुराना और गलत बताया। उन्होंने

कहा कि यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन को नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ पहनते हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस 'ग्रूमिंग गाइड' के मुताबिक, महिला कर्मचारियों को स्टोर में बिंदी या क्लचर लगाने की अनुमति नहीं है। साथ ही, हाथ में पहने जाने वाले धार्मिक धागे (कलावा) या रिस्ट बैंड को भी हटाने का निर्देश दिया गया है।

लश्कर के को-फाउंडर आमिर हमजा पर फायरिंग

अस्पताल में भर्ती, लाहौर में न्यूज चैनल के ऑफिस के बाहर हमला, पिछले साल भी अटैक हुआ था

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चला दी। हमले के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने लाहौर में एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर उन पर फायरिंग की। हमला किसने और क्यों किया, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। यह एक साल से भी कम समय में दूसरा मौका है, जब हमजा पर हमला हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई में भी उनके घर के बाहर अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मारी थी। पिछले हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी थी, हालांकि उस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था।

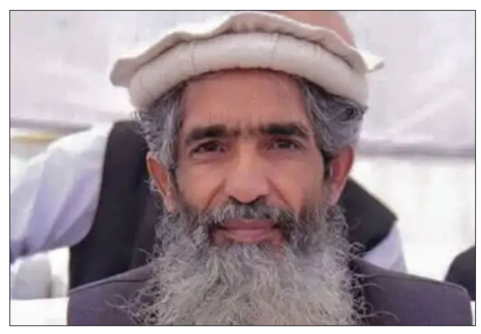

हमजा ने सोवियत के खिलाफ जंग लड़ी थी

हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकियों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। अमेरिका ने साल 2012 में हमजा को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हमजा को भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों से जोड़ा गया है। उसे जम्मू के सुंजवां में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया जाता है।

अवनीत ने अपने बयान में यह भी बताया कि उनकी नाक, आंखें और चेहरे के अन्य फीचर्स पहले जैसे ही हैं। उन्होंने अपने ब्यूटी मोल (तिल) का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी वैसा ही है जैसा बचपन में था, जो इस बात का संकेत है कि उन्होंने किसी तरह का कॉस्मेटिक बदलाव नहीं कराया है। और इसमें किसी तरह की कृत्रिम प्रक्रिया शामिल नहीं है।

लश्कर की पत्रिकाओं का संपादक था

आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक है। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एक्टिव रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था।

8 साल पहले संगठन से अलग हुआ था

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2018 में फंड की कमी की समस्या की वजह से लश्कर-ए-तैयबा में फूट पड़ गई थी। इसके बाद आमिर हमजा ने खुद को संगठन से अलग कर लिया था।

उसने अपना नया संगठन बनाया था। इसका नाम जैश-ए-मनक्फा रखा गया था।

9 की मौत, हमलावर ने खुद को भी गोली मारी, 2 दिन में दूसरी स्कूल शूटिंग

13 साल के छात्र ने गोलीबारी की

अंकारा, एजेंसी

तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के

अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे।

उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। CCTV फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एक दिन पहले भी स्कूल शूटिंग का मामला सामने आया था

इससे एक दिन पहले, मंगलवार को तुर्किये के सनलिउ-रफा प्रांत में एक स्कूल में गोलीबारी हुई थी। एक 18 साल के युवक ने अपने पुराने स्कूल में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में 16 लोग घायल हुए, जिनमें छात्र और शिक्षक शामिल थे। आरोपी ने बाद में खुद को भी गोली मार ली थी। हमला एक वोकेशनल हाई स्कूल में हुआ। आरोपी पूर्व छात्र था और शॉटगन लेकर स्कूल पहुंचा। उसने बिना किसी को निशाना बनाए फायरिंग की और फिर स्कूल के अंदर छिप गया। गवर्नर हसन सिल्डाक के मुताबिक, हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, एक कैंटीन कर्मचारी और एक पुलिस अधिकारी घायल हुए थे। इसी बीच, पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और स्कूल में विशेष ऑपरेशन शुरू किया। आरोपी ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया।

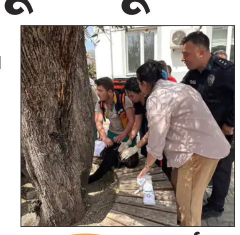

गवर्नर ने बताया, "आरोपी को ऑपरेशन के दौरान स्कूल के अंदर घेर लिया गया था। इसी दौरान उसने खुद को गोली मार ली।" मामले की जांच जारी है। तुर्किये में स्कूल में गोलीबारी की घटनाएं बेहद कम होती हैं, लेकिन लगातार दो दिनों में हुई इन घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

यूट्यूब एप से पूरी तरह हटा सकेंगे 'शॉर्ट्स'

टाइम मैनेजमेंट में नया 0 मिनट का ऑप्शन मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

यूट्यूब ने 'टाइम मैनेजमेंट' का नया फीचर जारी किया है। इसके जरिए अब आप एप पर शॉर्ट्स देखने की समय सीमा को 'जीरो' पर सेट कर सकते हैं। इससे शॉर्ट्स फीड पूरी तरह से हट जाएगी। इसका मकसद स्क्रीन टाइम को बेहतर तरीके से मैनेज करने में मदद करना है। यूट्यूब ने पिछले साल अक्टूबर में शॉर्ट्स के लिए टाइमर फीचर पेश किया था, जिसमें न्यूनतम समय सीमा 15 मिनट थी। जनवरी में इस फीचर का विस्तार करते हुए माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर कंट्रोल देने के लिए 'जीरो मिनट' का विकल्प लाने की घोषणा की गई थी। यूट्यूब की प्रवक्ता मैकेंजी स्पिलर के मुताबिक, अब यह विकल्प सभी पैरेंट्स के लिए लाइव

हो चुका है और धीरे-धीरे सामान्य एडल्ट अकाउंट्स के लिए भी रोल आउट किया जा रहा है। जैसे ही आप 'जीरो मिनिट' की लिमिट चुनेंगे, शॉर्ट्स टैब पर कोई वीडियो नहीं दिखेगा। वहां केवल एक नोटिफिकेशन दिखाई देगा कि आपने अपनी 'शॉर्ट्स फीड लिमिट' पूरी कर ली है। लिमिट सेट करने के बाद होम स्क्रीन से भी शॉर्ट्स के सुझाव हट जाएंगे। भारत में यूट्यूब के करोड़ों यूजर्स हैं और शॉर्ट्स का क्रेज बहुत ज्यादा है।

तेजी : इस साल कीमत 22 हजार बढ़ी, सोना 440 महंगा होकर 1.53 लाख/10 ग्राम हुआ

चांदी 3,656 बढ़कर 2,53 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज लगातार दूसरे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 3,656 रुपए बढ़कर 2.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को इसकी कीमत 2.49 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 440 रुपए बढ़कर 1,53,305 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 15 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,865 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। बीते दो दिन में सोना 3,294 और चांदी 15,694 रुपए महंगी हुई है। सोना-चांदी में ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद बढ़ने से आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, महंगाई का डर कम हुआ और डॉलर कमजोर पड़ा, जिससे निवेशक सोने-चांदी की तरफ लौटे हैं। पुराना

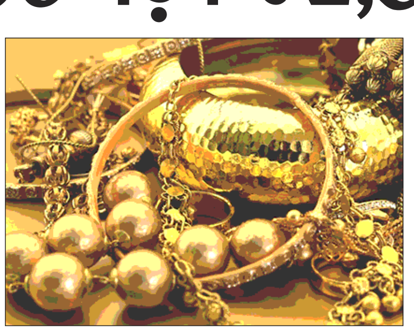

स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20,110 रुपए और चांदी 22,255 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। सरकार ने सोने-चांदी और प्लेटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई पर दिख रहा है, जिससे सोना-चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स 250 अंक गिरकर 77,800 पर कारोबार कर रहा

निफ्टी भी 50 अंक गिरकर 24,200 पर आया, सरकारी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

नई दिल्ली, एजेंसी

आज यानी गुरुवार, 16 अप्रैल को शेयर मार्केट में शुरुआती तेजी के बाद गिरावट है। सेंसेक्स 250 अंक (-0.15%) की गिरावट के साथ 77,800 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 50 अंकों (-0.16%) की गिरावट है, ये 24,200 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में मेटल में सबसे ज्यादा खरीदारी है, जबकि ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है। रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली

बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है। शेयर बाजार में 15 अप्रैल को तेजी रही। सेंसेक्स 1264 अंक (1.64%) चढ़कर 78,111 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 388 अंक (1.63%) बढ़कर 24,231 पर आ गया। कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बुधवार, 15 अप्रैल को शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। BSE Sensex 1264 अंकों (1.64%) की बढ़त के साथ 78,111 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं Nifty 50 भी 388 अंक (1.63%) चढ़कर 24,231 पर पहुंच गया था। पिछले कारोबारी सत्र में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली थी। इन सेक्टर्स के अच्छे प्रदर्शन के चलते बाजार ने मजबूत बढ़त दर्ज की थी। शेयर बाजार में सपोर्ट उस स्तर को कहा जाता है, जहां किसी शेयर या इंडेक्स की कीमत गिरते-गिरते ठहर जाती है। इस स्तर पर आमतौर पर खरीदारी बढ़ जाती है, जिससे कीमत को नीचे जाने से सहारा मिलता है। निवेशकों के लिए यह एक संभावित खरीदारी का मौका माना जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96